मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 188 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
23 दिसंबर 2023 शनिवार

आज का मौसम
22 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

दिल्ली से लौटने के बाद सीएम यादव को सिग्नल का इंतजार...!

मंत्रिमंथनःमप्र का पेपरवर्क पूरा, राजस्थान की हवाओं को साधने में जुटा हाइकमान

भोपाल/नई दिल्ली,दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश व राजस्थान में भाजपा सरकारों के गठन के 11 दिन बाद भी हाइकमान को मंत्रिमंडल के गठन में मशक्कतें करना पड़ी हैं। दोनों राज्यों में नया मंत्रिमंडल अभी तक घोषित नहीं हो पाया है लेकिन जानकारों का दावा है कि मप्र की कैबिनेट के लिये 'पेपर वर्क' पूरा हो चुका है। सिर्फ इसके ऐलान के पहले राजस्थान के पेंच सुलझाने में हाइकमान जुटा हुआ है। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव कल दिल्ली के दो दिनी प्रवास के बाद वापस लौट आए हैं, माना जा रहा है कि कैबिनेट गठन के लिये नामों का 'प्रारूप' अब उनके पास है। इसमें हाइकमान के कहने पर एकाध संशोधन हो सकता है,इसके बाद शपथ ग्रहण कार्यक्रम का समय व तारीख सामने आ जाएगी। आज दिनभर भाजपा हाइकमान राजस्थान के नामों पर पेंच सुलझाने में लगा है। राजस्थान के सीएम शर्मा व दोनों डिप्टी सीएम पीएम मोदी और अमित शाह से मुलाकात कर चुके हैं। हाल ही में दूसरी मुलाकात के बाद यही माना जा रहा था कि राजस्थान मंत्रिमंडल की घोषणा होगी लेकिन दो दिन बाद भी अभी तक कोई संकेत नहीं मिले हैं। इस बीच मोहन यादव कल दिल्ली में मोदी,शाह व नड्डा आदि से मिलकर वापस आ गये हैं। कयास हैं कि राजस्थान में मंत्रिमंडल को लेकर कोई पेच फंस गया है। इसकी मुख्य वजह वसुंधरा राजे के समर्थक विधायकों को मंत्री बनाने को लेकर संशय है। हाइकमान की नजरें अब वसुंधरा राजे के खेमे के विधायकों पर टिकी व उनकी गतिविधियों पर है। माना जाता है कि इस खेमे ने अधिकाधिक पद की अपरोक्ष मांग रख दी है।

इस बार मप्र कैबिनेट में कई महिला चेहरे

इधर सूत्रों का कहना है कि मप्र में यादव कैबिनेट में सीनियर-जूनियर्स के अलावा महिला मंत्रियों की तादात भी पिछली बार के मुकाबले ज्यादा होगी। पहले मंत्री रहीं महिला विधायक के अलावा कुछ नयी महिला विधायक भी इसमें शामिल होंगी। भाजपा हाइकमान ने अंचलवार भी कैबिनेट में महिला प्रतिनिधित्व की योजना बनाई है।

पहली बार के विधायकों को भी उम्मीद

मप्र में यादव कैबिनेट में इस बार पहली बार के भाजपा विधायकों की उम्मीद भी जवां हैं। दरअसल छत्तीसगढ में पहली बार जीते पांच विधायकों को मंत्री पद देकर भाजपा ने पुरानी लोक तोड दी है। छत्तीसगढ में अरूण साव, विजय शर्मा, ओपी चौधरी, लक्ष्मी राजवाड़े और टंकराम वर्मा को मंत्री पद दिया गया है। इनके अलावा राजस्थान में तो भाजपा हाइकमान ने पहली बार ही चुनाव जीते भंवरलाल शर्मा को मुख्यमंत्री तक बना दिया है। ऐसे में मप्र में पहली बार चुनाव जीते भाजपा विधायकों को लोकसभा चुनाव व जातिगत आधार पर प्रवेश की संभावना बन गई हैं। इससे हाइकमान व सीएम भी पुराने चेहरों के दबाव व प्रभाव से भी मुक्त हो सकेंगे।

मप्र कैबिनेट में कई महिला चेहरे

शिवराज को मिलेगा पद !

मप्र में सोलह साल मुख्यमंत्री रहे भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान की भूमिका अब तक स्पष्ट नहीं है लेकिन माना जाने लगा है कि एक इस्तीफे के बाद अब उनका पद तय हो गया है। हाल में उन्होंने जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। इसके बाद शिवराज ने जो कहा उसे लेकर माना जा रहा है कि उन्हें दक्षिण भारत के राज्यों में अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। ऐसे में शिवराज को पुरानी जिम्मेदारी यानि उपाध्यक्ष पद मिलने की अटकलें हैं, चूंकि छग के रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष बनने के बाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद छोड चुके हैं। इस रिक्त पद पर शिवराज आ सकते हैं। हालांकि वे 2018 मे भाजपा की हार के बाद भी उपाध्यक्ष बनाए गए थे।

साथी का शव लेकर सीमा पार भाग गए आतंकवादी

श्रीनगर , एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की तरफ से आए आतंकियों ने एक बार फिर घुसपैठ करने की कोशिश की, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया है। अखनूर सेक्टर में हुई घुसपैठ की कोशिश के दौरान चार आतंकवादियों ने भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश की। इस दौरान ड्यूटी पर मुस्तैद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की जिसमें एक आतंकवादी मारा गया. इसके बाद बचे हुए तीन आतंकी अपने साथी का शव घसीटते हुए लेकर सीमा पार भाग गए।

भारतीय सेना की 'व्हाइट नाइट कोर' ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा, खौर, अखनूर के आईबी सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम की गई। रात को अपने निगरानी उपकरणों के माध्यम से चार आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। आतंकवादियों को एक शव को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार घसीट कर ले जाते हुए देखा गया।

उधर जम्मू के पुंछ में मुठभेड़ वाली जगह पर तीन लोगों के संदिग्ध हालात में शव मिले हैं। पुंछ के डिप्टी कमिश्नर चौधरी मुहम्मद यासिन और एसएसपी विनय कुमार मौके पर पहुंच चुके हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. इस बीच राजौरी और पुंछ में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

घुसपैठ की कोशिश, जम्मू मे तीन शव मिलने से सनसनी

रेसलर्स के विरोध पर ब्रजभूषण बोले- क्या फांसी पर लटक जाऊं

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह की जीत पर भारतीय पहलवानों के गहरी निराशा जाहिर करने और साक्षी मलिक द्वारा सन्यास ले लेने के बाद यौन शोषण के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सिंह ने कहा, 'कांग्रेस के गोद में बैठे इन पहलवानों के साथ देश का एक भी पहलवान नहीं अब उनके विरोध पर क्या मैं फांसी पर लटक जाऊं? कुश्ती को एक ग्रहण लगा था। 11 महीने और तीन दिनों तक यह ग्रहण रहा। अब चुनाव हुआ और पुरानी फेडरेशन के समर्थित प्रत्याशी यानि हमारे समर्थित प्रत्याशी संजय सिंह उर्फ बबलू को जीत मिली है। अब कुश्ती का जो काम है उसको अब आगे बढ़ाना हमारा लक्ष्य है।'

ज्ञात हो कि यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वाली रियो ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से सन्यास लेने का ऐलान किया है तो रेसलर बजरंग पूनिया अपना पद्म पुरस्कार प्रधानमंत्री आवास के बाहर फुटपाथ पर छोड़कर चले गए।

अब क्रिकेट में इलेक्ट्रा स्टंप्स की एंट्री, पांच रंगों में देंगे संकेत

नई दिल्ली। अब क्रिकेट के खेल में इलेक्ट्रा स्टंप्स की शुरुआत हुई है।ऑस्ट्रेलिया में चल रही बिग बैश लीग के मौजूदा सीजन में इन 'इलेक्ट्रा स्टंप्स' का अनावरण हो गया है। बीबीएल में क्रिकेट फैन्स इन स्टम्प को देखकर काफी खुश हैं, क्योंकि इंटरनेशनल क्रिकेट के मौजूदा समय में अभी केवल एलईडी लाइट वाले स्टम्प चल रहे हैं। 'इलेक्ट्रा स्टंप्स' का उपयोग महिला बीबीएल में किया गया था, अब उनका उपयोग पहली बार बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स और सिडनी सिक्सर्स के बीच मुकाबले में हुआ। मार्क वॉ ने कहा कि ये रंगीन स्टंप्स फैन्स और क्रिकेटरों के लिए एक तरह से क्रिसमस का गिफ्ट हैं। स्टंप्स में पांच अलग-अलग रंग हैं। मैच के दौरान होने वाले विभिन्न परिणामों के लिए स्टंप इन पांच रंगों को दिखाते हैं. रंग या तो आउट होने, चौका या छक्का, नो बॉल और ओवरों में बदलाव का संकेत देते हैं।

नौकरी के बदले जमीन घोटाले मामले में तेजस्वी यादव को राहत

नई दिल्ली । बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। दरअसल, उनकी विदेश यात्रा करने की याचिका स्वीकार कर ली गई। ऐसे में वह अब अगले साल छह से 18 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा कर सकेंगे। गौरतलब है, अक्तूबर में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू यादव, बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और राजद सांसद मीसा भारती को राहत मिली है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में चारों को जमानत दे दी थी।

अंडरगारमेंट्स के विज्ञापन में पुलिस अफसर की बेटी का फोटो

अहमदाबाद, एजेंसी।

मॉर्फ्ड फोटो को लिंगरी (अंतःवस्त्र) के विज्ञापन में इस्तेमाल करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इसमें इसानपुर इलाके में रहने वाली तीस साल की महिला ने खुद की तस्वीर लिंगरी के विज्ञापन में देखने के बाद अहमदाबाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है तथा फोटो को मॉर्फ्ड करके इस्तेमाल करने की बात कही है। इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने जांच कर रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि पीड़ित महिला खुद एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी की बेटी है।

इस महिला के अनुसार वह पिछले दो साल से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म से सक्रिय है। वह इंस्टाग्राम का उपयोग करती है। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया है कि 23 नवंबर को तृप्ति चौहान नाम एक इंस्टग्राम यूजर से एक संदेश मिला। इसमें फोटो का मॉर्फ्ड करके यूज करने की जानकारी मिली। पीड़ित ने अनुसार लिंगरी के विज्ञापन में मॉर्फ्ड फोटो को प्रोफाइल पिक्चर तौर पर यूज किया गया था। पीड़ित के अनुसार जब उसने उस अकाउंट पर क्लिक किया, तो उसे एक लॉन्जरी ब्रांड के कई अश्लील विज्ञापन मिले, जिनमें उसकी छेड़छाड़ की गई तस्वीरें थीं।

सोशल मीडिया पर रहती थी सक्रिय

अब महाकाल की तर्ज पर देवास में देवीलोक के प्रयास

देवास, दोपहर मेट्रो

महाकाल लोक की तर्ज पर अब देवास में देवी लोक बनेगा। माता टेकरी के नाम से जिस देवास की पहचान है, वहां देवी लोक के रूप में भव्य स्थल बनाने की योजना है। विधायक गायत्रीराजे ने चुनाव में इसकी घोषणा की थी और जीतने के बाद पहला प्रस्ताव भी देवी लोक का बनाया है। इसका प्रारंभिक प्रारूप व प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। देवास की प्रसिद्ध माता टेकरी पर मां तुलजा भवानी और चामुंडा माता विराजित हैं। देशभर से लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं। शारदीय नवरात्र में लाखों लोगों की भीड़ उमड़ती है। माता टेकरी सिद्ध साधकों की तपोस्थली भी रही है और नाथ संप्रदाय के साधक भी यहां से जुड़े रहे हैं। इसी वजह से माता टेकरी का अपना महत्व है और यहां लोगों की अपार आस्था है।

कोरोना के 752 नए मरीज मिले, चार ने दम तोड़ा

नई दिल्ली , एजेंसी।

देशभर में कोरोना के बढ़ते मामले के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में शनिवार को कोविड-19 के एक्टिव मामलों की संख्या 3,000 का आंकड़ा पार कर गई है। पिछले 24 घंटे में 752 नए केस मिले हैं। कोरोना से चार रोगियों की मौतें हुई हैं। कल भारत में 640 मामले एक मौत दर्ज की गई थी। अब एक्टिव केस 3,420 हो गये हैं। आंकड़ों के अनुसार, 17 राज्यों में कोविड के एक्टिव मामलों में बढ़ोत्तरी हो रही है, जिसमें केरल (266), कर्नाटक (70), महाराष्ट्र (15), तमिलनाडु (13) और गुजरात (12) जैसे राज्य शामिल हैं।

मेट्रो एंकर

आईएएस की नौकरी छोड़ने वाले चौधरी की नई पारी...

छत्तीसगढ़ की राजनीति के नए जोगी

रायपुर , दोपहर मेट्रो।

ब्यूरोक्रेट से राजनीति के शीर्ष पर पहुंचने के मामले में अवभाजित मप्र में अजीत जोगी का उदाहरण सबसे पहले आता है। बाद में वे राज्य विभाजन के चलते छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भी बने। उनके दौर के करीब दो दशक बाद अब छत्तीसगढ को फिर एक ब्यूरोक्रेट मंत्री मिला है, ओपी चौधरी। महज 36 साल की उम्र में भारतीय प्रशासनिक सेवा की नौकरी छोड़कर राजनीति में आए तथा हाल में रायगढ़ के विधायक बने ओपी चौधरी अब मंत्री भी हैं। कल ही उन्होंने शपथ ली है। उनका कहना है कि अब वे प्रशासनिक बंधनों से मुक्ति का अहसास कर रहे हैं। अब वे वह कर सकेंगे जो अफसर रहते नहीं कर सके। चौधरी का यह भी कहना है कि वे चाणक्य के उस कथन से प्रभावित होकर राजनीति में आए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'अच्छे लोगों के राजनीति में भाग नहीं लेने से पहला दुष्परिणाम ये होता है कि बुरे लोग अच्छे लोगों पर शासन करते हैं।'

तेरह साल के चमकदार प्रशासनिक जीवन को छोड़ते हुए चौधरी राजनीति की तंग गलियों में आये हैं तो उन्हें बड़ी चुनौती का अहसास भी है। उनका कहना है कि यह सच है कि आज राजनीति में अच्छे लोगों को आने की जरूरत है। हर कोई डाक्टर, इंजीनियर, वकील, आइएएस बनना चाहता है मगर लोकतंत्र की राजनीतिक व्यवस्था राजनीति में अच्छे लोगों की जरूरत है। उन्होंन भी कम उम्र में नौकरी छोड़कर छत्तीसगढ़ की सियासत में अपनी पहचान बनाई है। जोगी भी आइएएस की नौकरी छोड़कर राजनीति में आए थे। वे इंदौर समेत कई जिलों में कलेक्टर रहे थे। अब चौधरी भी प्रशासनिक अनुभवों के आधार पर बड़ा मुकाम हासिल करने की ओर हैं। 2005 बैच के अधिकारी चौधरी सिर्फ 22 साल की उम्र में आइएएस बने थे। 2018 में जब ओपी ने नौकरी छोड़ी, तब वह डा.रमन सिंह की सरकार में रायपुर में कलेक्टर थे। भाजपा में प्रवेश कर वह साल 2018 में खरसिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस बार वे रायगढ़ से चुनाव जीते हैं।

अब सीनियर्स के बॉस

चौधरी को अब बतौर मंत्री उन अफसरों को निर्देश देने हैं जो उनके सीनियर हैं। लेकिन चौधरी इधससे विचलित नहीं हैं। उनका कहना है कि वह एक भूमिका थी और यह दूसरी। लोकतंत्र में पालिटिक्स महत्वपूर्ण है और यहां चुनौतियां बहुत है। पथरीले और टेढ़े मेढ़े रास्ते हैं फिर भी लोकतंत्र में राजनीतिक व्यवस्था में आने से ही ज्यादातर काम सफल होते हैं क्योंकि यहां हम प्रशासनिक अफसर की अपेक्षाकृत बंधनमुक्त हो जाते हैं।

बीयू : पेपर के दिन ही विलंब शुल्क देकर परीक्षा में शामिल हो सकेंगे छात्र

दस्तावेज कुलपति और रजिस्ट्रार के ई-सिग्नेचर के साथ डीजी लॉकर में रखे जाएंगे सुरक्षित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। अब विधार्थी परीक्षा के दिन ही फीस के साथ चार हजार रुपए विलंब शुल्क देकर छात्र परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा डीजी लॉकर में छात्र-छात्राओं के दस्तावेज अब कुलपति और रजिस्ट्रार के ई-सिग्नेचर के साथ डीजी लॉकर में सुरक्षित रखे जाएंगे। यह फैसले बीयू की हाल ही में हुई कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए हैं।

कॉलेजों को 15 दिन का अल्टीमेटम

संबद्धता नियमों का पालन नहीं करने वाले कालेजों को कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन ने नोटिस जारी कर डेटा सबमिट करने को कहा गया था। अहर्ता पूरी नहीं करने वाले जिन कॉलेजों ने जानकारी ही नहीं दी है, उन्हें 15 दिन का समय दिया गया है।

होंडा सिटी नहीं, अब आएगी इनोवा क्रिस्टा

बीयू के कुलपति के लिए पहले होंडा सिटी गाड़ी खरीदने का प्रस्ताव रखा गया था। इस पर पिछली बैठक में ईसी मेंबर्स ने आपत्ति जताई थी। इसे बदलकर अब इनोवा क्रिस्टा खरीदने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे ईसी ने सहमति दी है।

एक्सीलेंस कॉलेज

आईओसीएल के ईडी ने किया सूर्य नूतन सोलर कुकर का निरीक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंडियन ऑयल कापोर्रेशन लिमिटेड द्वारा मध्यप्रदेश उर्जा विकास निगम के सहयोग से राजधानी के उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (एक्सीलेंस कॉलेज) के ओजस्विनी कन्या छात्रावास में सूर्य नूतन सोलर कुकर स्थापित किया गया है। इस कुकर की वर्किंग हेतु स्थल निरीक्षण इंडियल ऑयल कापोर्रेशन लिमिटेड, नई दिल्ली के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. उमिश श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उन्होंने आईओसीएल द्वारा किये गये नवाचार के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि भविष्य में अधिकाधिक लोगों तक इस तकनीक को पहुंचाने का लक्ष्य है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नवकरणीय ऊर्जा के उपयोग को ब?ावा दिया जा सके। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान स्थित अमृत वाटिका में वृक्षारोपण भी किया। ईडी के भ्रमण के दौरान संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया तथा संस्थान की विभिन्न उपलब्धियों से अवगत कराया गया। प्रशासनिक अधिकारी डॉ. महेन्द्र सिंघई, सोलर ऊर्जा प्रभारी, डॉ. रामकृष्ण श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक, डॉ. महीपाल सिंह यादव, होस्टल समिति सदस्य डॉ. साधना पाण्डेय एवं सुश्री अर्चना यादव सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जिन्होंने पहले बुकिंग कराई उनकी ही रहेगी मौज, ऐनवक्त पर योजना बनाने वालों को होगी कठिनाई

नए साल के लिए फ्लाइट, ट्रेन से लेकर पर्यटन स्थल अभी से फुल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नए साल का खुमार अभी से सिर चढ़कर बोल रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि फ्लाइट, ट्रेन और पर्यटन स्थल अभी से बुक हो चुके हैं और इनकी मांग बढ़ती ही जा रही है। अब नए साल 2024 के आगमन में चंद दिन ही बाकी है। ऐसे में जो लोग पहले से जाने–आने और यात्रा करने की योजना नहीं बना सके थे वे अब योजना बनाने में जुटे हैं इसके लिए फ्लाइट या ट्रेन की टिकट सबसे पहले जरूरी है लेकिन ये ही नहीं मिल रहे हैं। भोपाल से दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, प्रयागराज, बैंगलोर समेत सभी शहरों के टिकट को लेकर कठिनाईयां आ रही है। कुछ ट्रेनों में वेटिंग 100 से 150 तक की वेटिंग है तो कुछ में नो रूम की स्थिति बन चुकी है। फ्लाइट का किराया लगभग दोगुना हो गया है। प्राइवेट टैक्यिों के रेट बढ़ गए हैं।

हिल स्टेशन पचमढ़ी से लेकर टाइगर रिजर्व तक फुल

हिल स्टेशन पचमढ़ी से लेकर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, पेंच, कान्हा समेत सभी छह रिजर्व और उनके आसपास के होटल, रिजार्ट बुक हो गए हैं। इन रिजर्वों के आसपास के शहरों में भी होटल बुक हो गए हैं। गिने–चुने होटलों में रूम खाली है तो उनके दाम आसमान छू रहे हैं। इन क्षेत्रों में जाने–आने के लिए निजी वाहनों की मांग बढ़ी है।

छोटे पर्यटन स्थलों को खोज रहे पर्यटक

मप्र के तमाम बड़े पर्यटन स्थलों पर नए साल के दिन पर्यटकों के दबाव को देखते हुए छोटे पर्यटन स्थलों को खोजा लाने लगा है। ऐसे पर्यटन स्थलों की एकदम से पूछ परक बढ़ने से उन स्थालों के आसपास निवास करने वाले लोगों में काफी उत्साह है।

स्थानीय उत्पादों की मांग बढ़ी

प्रदेश में जितने भी पर्यटन स्थल है उनके आसपास से लगे क्षेत्रों में स्थानीय उत्पादों की मांग बढ गई है। मढ़ई समेत आसपास के क्षेत्रों में सब्जियों के दाम बढ़े हैं, एडवांस बुकिंग हो चुकी है। यही नहीं, काम करने वाले मजदूरों की भी मांग बढ़ रही है। यही हाल पचमढ़ी व आसपास के क्षेत्रों में है।

इमिग्रेशन की अनुमति मिली राजा भोज एयरपोर्ट को

कस्टम दर्जा मिलते ही शुरू होंगी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजा भोज एयरपोर्ट को इमिग्रेशन की अनुमति मिल गई है। जल्द ही विदेश जाने वाले यात्री यहां इमिग्रेशन चेक पोस्ट से जांच करा सकेंगे। एयरपोर्ट अथारिटी ने ग्रीन एवं रेड चैनल तथा इमिग्रेशन ई-गेट की स्थापना पहले ही कर दी है। अब कस्टम एयरपोर्ट का दर्जा मिलते ही यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

सरकार ने इमिग्रेशन एयरपोर्ट बनाने संबंधी गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने की दिशा में यह पहली बाधा थी, जो दूर हो चुकी है। अथारिटी ने इसकी तैयारियां तो पहले ही कर ली थीं। अब यहां अमला तैनात होना बाकी है। कस्टम विभाग की डिप्टी कमिश्नर डा. रिचा सक्सेना ने हाल ही में कस्टम एयरपोर्ट घोषित करने के सिलसिले में एयरपोर्ट पहुंचकर नव विकसित क्षेत्र का निरीक्षण किया था। माना जा रहा है किइसकी स्वीकृति भी मिल जाएगी। दुबई उड़ान के साथ भोपाल से विदेशों के लिए उड़ान की शुरुआत हो सकती है।

एयरपोर्ट अथारिटी की तैयारियां पूरी

एयरपोर्ट अथारिटी ने हाल ही में इमिग्रेशन काउंटर स्थापित किया था एवं इलेक्ट्रानिक गेट भी लगाए थे। इंटरनेशनल विंग पूर्ण रूप से विकसित कर लिया गया है। आगमन क्षेत्र में पांच एवं प्रस्थान क्षेत्र में चार काउंटर बनाए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप यहां ग्रीन एवं रेड चैनल बनाए गए हैं। कस्टम काउंटर भी बनाए जा चुके हैं। इंटरनेशनल स्तर के एयरपोर्ट के लिए सुरक्षा में तैनात जवानों की संख्या बढ़ाना जरूरी है।

बढ़ेगा सुरक्षा अमला: अथारिटी ने इसके लिए जवानों की संख्या बढ़ाने का आग्रह नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) से किया था। ब्यूरो ने जवान बढ़ाने की सैद्धांतिक स्वीकृति भी दे दी है। वर्तमान में एयरपोर्ट पर 170 जवान तैनात हैं। भविष्य में इनकी संख्या 300 से 400 के बीच तक करने का प्रस्ताव है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार नए साल की पहली तिमाही तक विदेश की उड़ानें शुरू हो सकती हैं।

कैडेट्स ने निकाली जागरुकता रैली

हिरदाराम नगर। आनंदराम टी शाहनी कन्या उच्चतर मद्यध्यमिक की छात्राओ ने शुक्रवार को संतनगर में सड़क सुरक्षा नियमों को लेकर जागरूकता रैली निकाली, जो शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई स्कूल में प्रांगण में समाप्त हुई। रैली का नेतृत्व हर्ष मोहन प्रीनजा एवं सना मेहफूज ने किया।

मुकिता के बच्चों का खो-खो राज्य प्रतियोगिता में चयन

हिरदाराम नगर। मुकिता इन्टरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों का राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में चयन हुआ, , जिसमें बालक वर्ग में आयुष, अर्पित, अमित, सुमित, अमन, आदित्य, आयुष, अमित, मयंक, सचिन एवं बालिका वर्ग में नंदिनी, अनामिका, सलोनी, हर्षा, ईशा, खुशी, याशिका, महक, मोहिनी विद्यार्थी चयनित हुए है। यह प्रतियोगिता 26 दिसंबर तक जबलपुर में आयोजित की जा रही है। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी, प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल, उपप्राचार्या स्वाति कलवानी, पीआरओ दीपा आहूजा व अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शुभकानाएं दी हैं।

मेट्रो एंकर

हिंदवी स्वराज्य के 350 वर्ष पूरे होने पर व्याख्यान माला

शिवाजी का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी:उमा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में हिंदवी स्वराज्य के 350 वर्ष पूरे होने के अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा माल्यार्पण से हुई।

व्याख्यान माला में मुख्य वक्ता डॉ उमा कुमरे, अतिरिक्त उपनिर्देशक पशुपालन विभाग थीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता दिलीप भूरानी ने की, जबकि विशेष अतिथि दिनेश राठौर, अभिवक्ता रमेश लेखवानी थे। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि शिवाजी महाराज व्याख्यानमाला का उद्देश्य बच्चों को शिवाजी के जीवन से अवगत कराना था।

वक्ता कुमरे ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के पूरे जीवन को रखते हुए, उनके जीवन से प्रेरणा लेने की लिए आग्रह किया। भूरानी ने विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देना सराहनीय है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थिगण उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन चन्दर नागदेव ने किया।

महानिर्वाण दिवस पर संतजी को नमन किया बच्चों ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदारामजी के निर्वाण दिवस पर संतनगर की शिक्षण संस्थाओं में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें संतजी का भावपूर्ण स्मरण किया गया एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल गांधीनगर में आयोजित कार्यक्रम में संतजी की सेवा भावना बच्चों को बताई गई। प्राचार्या प्रिया जैन शर्मा और कोर्डिनेटर लता आसनानी ने संत जी के सेवा कार्यों से सभी विद्यार्थियों को अवगत कराया। राम-धुन गाकर संतजी को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। संस्था के पदाधिकारियों ने संतजी के कार्यों का उल्लेख किया।

सुखमनी पाठ साहिब

अनंदराम टी. शाहानी कन्या उ. मा. विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में संत शिरोमणि हिरदारामजी के निर्वाण दिवस पर सुखमनी पाठ, आरती व भोग साहब का आयोजन किया गया, नव युवक सभा के विष्णु गेहानी समिति संरक्षक वासदेव वाधवानी , महासचिव राजेश हिंगोरानी अन्य पदाधिकारियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संतजी को नमन किया।

वर्ष 2024 के सरकारी अवकाश घोषित, अप्रैल में सिर्फ 14 दिन ही लगेंगे सरकारी दफ्तर

सरकारी कर्मचारियों को 131 दिन छुट्टी, फाइव-डे वीक भी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में भी सरकारी कर्मचाररियों की छुट्टी के मामले में अगले वर्ष यानि 2024 में भी बल्ले बल्ले है, क्योंकि इन्हें 234 दिन ही सरकारी कामकाज करना होगा । सरकारी कर्मचारियों को 131 दिन की छुट्टी मिलेगी। इनमें 52 रविवार और इतने ही शनिवार भी शामिल हैं। कर्मचारियों के सबसे अधिक मजे अप्रैल में रहेंगे। उन्हें छह से 21 अप्रैल यानी 16 दिन में नौ दिन कार्यालय नहीं जाना पड़ेगा। राज्य सरकार ने छुट्टियों के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें शनिवार और रविवार भी शामिल हैं। इसमें 23 सामान्य अवकाश और 16 सार्वजनिक अवकाश हैं। डा. आंबेडकर जयंती, महावीर जयंती और महाराणा प्रताप जयंती रविवार को होने के कारण इस दिन सामान्य छुट्टी घोषित नहीं की गई है। इसके अतिरिक्त 16 सार्वजनिक अवकाश भी घोषित किए गए हैं। यानी इन दिनों में केंद्र सरकार के सभी कार्यालय बंद रहेंगे। 59 ऐच्छिक अवकाश भी घोषित किए हैं, जिनमें कोई तीन छुट्टी प्रदेश के सरकारी कर्मचारी ले सकते हैं।

24 के सामान्य अवकाश: गणतंत्र दिवस- 26 जनवरी, संत रविदास जयंती -24 फरवरी, महाशिवरात्रि- आठ मार्च, होली- 25 मार्च, गुड फाइडे- 29 मार्च, गुड़ी पड़वा- नौ अप्रैल, चैती चांद- 10 अप्रैल, ईद-उल-फितर- 11 अप्रैल, रामनवमी- 17 अप्रैल, परशुराम जयंती -10 मई, बुद्ध पूर्णिमा- 23 मई, ईदुज्जहा- 17 जून, मोहर्रम- 17 जुलाई, स्वतंत्रता दिवस- 15 अगस्त, रक्षाबंधन - 19 अगस्त, जनमाष्टमी- 26 अगस्त, मिलाद-उन-नबी -16 सितंबर, गांधी जयंती- दो अक्टूबर, दशहरा- 12 अक्टूबर, महर्षि वाल्मीकि जयंती- 17 अक्टूबर, दीपावली- 31 अक्टूबर, गुरुनानक जयंती एवं राष्ट्रीय गौरव दिवस - 15 नवंबर, क्रिसमस- 25 दिसंबर। घोषित 16 सार्वजनिक अवकाशों में एक अप्रैल को बैंको की वार्षिक लेखाबंदी छोड़ बाकी सामान्य अवकाश शामिल हैं।

...तो अब दुनिया का स्टैंडर्ड टाइम तय करेगा उज्जैन!

मप्र सरकार करेगी प्रयास, अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दुनिया का स्टैंडर्ड टाइम कहां से तय होना चाहिए, यह उज्जैन बताने वाला है। इसके लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार खास काम करने जा रही है। इस पर मंथन के लिए भारतीय विज्ञान कांग्रेस के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस कराई जाएगी। अगर अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस निर्धारित करेगी तो स्टैंडर्ड टाइम में बदलाव आएगा।

वेधशाला उज्जैन

दरअसल मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने हाल में विधानसभा सत्र के अंतिम दिन राज्यपाल के अभिभाषण में चर्चा के दौरान यह बात कही है। उन्होंने बताया कि आज से 300 वर्ष पहले तक दुनिया में भारत का टाइम स्टैंडर्ड माना जाता था लेकिन काल के प्रवाह में जब हम गुलाम हुए तो फ्रांस की राजधानी पेरिस में 50 साल तक टाइम स्टैंडर्ड वहां तय होता रहा। इसके बाद 250 साल पहले जब अंग्रेज हावी हुए तो अंग्रेज ग्रीनविच से स्टैंडर्ड टाइम तय करने लगे। यादव ने कहा कि दुनिया में दो तरह के प्राणी हैं, एक जो सूर्योदय से अपनी दिनचर्या शुरू करते है और दूसरे जो निशाचर प्राणी हैं, जो रात से अपनी दिनचर्या शुरू करते हैं लेकिन मध्यरात्रि 12 बजे दिन बदलकर दिनचर्या चालू करने का औचित्य समझ से परे है। यह औचित्यहीन स्टैंडर्ड है, लेकिन यह दुनिया में लागू है। डा. यादव ने कहा कि 21 जून और 22 दिसंबर को दिन के 12 बजे उज्जैन की वेधशाला में जाकर देखना वहां एक संकु यंत्र है, जो 300 साल पहले बना है और आधुनिक साइंस की दृष्टि से जीपीएस है। जहां से निर्धारित कर सकते हैं कि दुनिया का सेंटर पाइंट कौन सा है।

रहस्यों को सामने लाने का काम करेगी सरकार

अब ऐसे रहस्यों को सबके सामने लाने का काम मप्र सरकार करने जा रही है, इसलिए नई वेधशाला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से बनाई जाएगी, जहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) के शोधकर्ताओं के शोध के लिए एक मंच विकसित किया जाएगा। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के पड़ोसी देश चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान भी मानते हैं कि दुनिया में जब स्टैंडर्ड टाइम तय की बात की जाएगी तो भारत पर ही बात होगी। इससे उज्जैन और भारत का मान बढ़ेगा। न केवल राज्य सरकार की, बल्कि भारत सरकार की भूमिका भी है और वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करेगी। ज्ञात हो कि प्राइम मेरिडियन एक काल्पनिक रेखा है, जिसका उपयोग समय के लिए वैश्विक संदर्भ के रूप में किया जाता है।

कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष पटवारी का आरोप

तीस फीसद वादे ही पूरे कर सकी भाजपा सरकार

सांसद निलंबन पर केंद्र पर भी बरसे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा और राज्यसभा से विपक्ष के 142 सांसदों के निलंबन को लेकर विपक्षी दलों के आक्रोश को अभिव्यक करने मप्र कांग्रेस ने जब भोपाल में धरना दिया तो यह नवनियुक्त अध्यक्ष जीतू पटवारी का पहला मैदानी कार्यक्रम भी बना। इस मौके पर राजधानी के कई नेता व कार्यकर्ता के अलावा वरिष्ठ नेता अरूण यादव व अन्य भी जुटे । पटवारी ने इस मौके पर भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि विधानसभा और लोकसभा लोकतंत्र के मंदिर हैं। आज भाजपा ने जनप्रतिनिधि के ताकत को कमजोर कर दिया। मुझे भी (विधानसभा के) पिछले सत्र में निलंबित कर दिया गया था। जिस तरह संसद के मौजूदा सत्र में करीब 150 सांसदों को निलंबित किया गया, वह लोकतंत्र की हत्या नहीं तो और क्या है। पटवारी ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र का अनुसरण पूरी दुनिया करती है। सत्तापक्ष और विपक्ष देश की उन्नति के लिए दो पटरियां हैं। आज भारत की चुनाव प्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। ईवीएम को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जो देश ईवीएम का ईजाद किये हैं, उन्होंने ही इसे त्याग दिया। पटवारी ने पीएम और केंद्रीय गृहमंत्री पर तानाशाही आरोप लगाया। जीतू ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव पर भी हमला बोला और भाजपा के पिछले संकल्प पत्र की याद दिलाई। जीतू बोले कि सीएम मोहन यादव कह रहे हैं कि संकल्प पत्र गीता बाइबिल की तरह पवित्र है। लेकिन भाजपा ने अपने पिछले संकल्प पत्र में केवल तीस फीसदी हिस्सा पूरा किया।

अब एसीएस होंगे संभागों के प्रभारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को अब नियमित तौर पर जमीन यानी क्षेत्र के दौरे करने होंगे। मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने नयी व्यवस्था इजाद करके अपर मुख्यसचिव स्तर के अफसरों को संभाग के प्रभार दे दिये हैं। अब यह अफसर जिले संभागों के अफसरं को भोपाल बुलाने के स्थान पर संभागीय मुख्यालयों पर जाकर बैठकें करेंगे। मो.सुलेमान को भोपाल संभाग का प्रभारी बनाया गया है।

नयी व्यवस्था के तहत इन अफसरों को दो माह में कम से कम एक बार आवंटित संभाग के जिलों का दौरा करना होगा। मुख्यमंत्री द्वारा जो भी निर्देश बैठक में दिए जाएंगे, उनका पालन सुनिश्चित करने का दायित्व भी इन्हीं अधिकारियों का होगा। मुख्यमंत्री ने उज्जैन से संभागीय बैठकों की शुरुआत कर दी है।

यह क्रम अब लगातार चलेगा। वह जो निर्देश देंगे, उसका पालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों की रहेगी। उज्जैन संभाग का प्रभारी एसीएस राजेश राजौरा को बनाया गया है। सागर संभाग के प्रभारी एसएन मिश्रा,इंदौर के मलय श्रीवास्तव,रीवा के जेएन कंसोटिया,जबलपुर के विनोद कुमार,नर्मदापुरम के अजीत केसरी,चंबल के मनु श्रीवास्तव, शहडोल अशोक वर्णवाल प्रभारी होंगे। इन वरिष्ठ अधिकारियों को यह जिम्मेदारी इसलिए दी गई है ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर समस्या का समाधान विभागों के बीच समन्वय बनाकर करा लें।साथ ही जिलों में केंद्र और राज्य की प्राथमिकता वाली योजनाओं सहित विकास कार्यों का निरीक्षण भी करके रिपोर्ट संबंधित विभाग के साथ मुख्य सचिव को दें। मुख्यमंत्री की बैठक में प्रभारी अधिकारी को अनिवार्य रूप से हिस्सा लेना होगा। प्रत्येक माह वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिलेवार समीक्षा भी होगी।

25 तक अतिथि विद्वानों को स्थानांतरण के लिए प्रस्तुत करने होंगे विकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी महाविद्यालयों में रिक्त पदों के विरुद्ध सेवा देने वाले अतिथि विद्वानों के स्थानांतरण का आदेश उच्च शिक्षा विभाग ने जारी कर दिया है। अतिथि विद्वान 22 दिसंबर से 25 दिसंबर तक अपना विकल्प प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे अतिथि विद्वान जो अपने निवास स्थान से काफी दूर सेवाएं दे रहे हैं, खासकर महिला अतिथि विद्वान को इस आदेश के जारी होने से काफी राहत मिलेगी। आदेश के अनुसार नवीन नीति 5 अक्टूबर 2023 की कंडिका 8 के अनुपालन में कार्यरत और मध्यप्रदेश के मूल निवासी अतिथि विद्वानों का ही स्थानांतरण होगा, केवल वे ही 25 दिसंबर तक अपना विकल्प प्रस्तुत करें।

भूतपूर्व सैनिकों की टुकड़ी में चयन के लिए आवेदन शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लाल परेड ग्राउण्ड में 26 जनवरी को राज्य स्तरीय परेड में भूतपूर्व सैनिकों की एक टुकडी पिछले कई सालों से भाग ले रही है। इस बार 51 भूतपूर्व सैनिकों का चयन किया जाना है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप केप्टन अभिताभ रावत और जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ले. कर्नल राजेश कुमार सिंह टुकड़ी का चयन करेंगे।

मेट्रो एंकर | **अब तहसील के चक्कर बचेंगे**

एक जनवरी से 43 जिलों में साइबर तहसील की हो रही है शुरूआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र की मोहन यादव सरकार ने आगामी एक जनवरी 2024 से मध्य प्रदेश के 43 जिलों में साइबर तहसील की व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर ली है। इससे रजिस्ट्री के बाद नामांतरण, अविवादित नामांतरण के लिए तहसील कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाना होगा। अभी केवल 12 जिलों में ही साइबर तहसील की व्यवस्था लागू है। शेष 43 जिलों में अब भी दफ्तर के चक्कर लगाने होते हैं, लेकिन एक जनवरी से अन्य 43 जिलों में भी साइबर तहसील की व्यवस्था लागू हो जाएगी। इसके लिए अलग से स्टाफ भी रखा जाएगा और प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय में भी स्टाफ बढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसंबर को मंत्रिमंडल की पहली बैठक एक जनवरी 2024 से साइबर तहसील की व्यवस्था प्रदेश के सभी 55 ज़िलों में लागू करने का निर्णय लिया था। प्रदेश में सबसे पहले दतिया एवं सीहोर दो जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 27 मई 2022 को साइबर साइबर तहसील लागू की गई थी। इसके लिए तत्कालीन गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा प्रयासरत थे। इसके बाद छह अक्टूबर 2022 को इंदौर, हरदा, डिंडौरी एवं सागर जिले में साइबर तहसील लागू की गई। 10 अगस्त 2023 को साइबर तहसील आगर मालवा, बैतूल, उमरिया, श्योपुर, विदिशा एवं ग्वालियर छह जिलों में प्रभावशील की गई। इस तरह डेढ़ साल में साइबर तहसील सिर्फ 12 जिलों में ही प्रभावशील थी। अब यह साइबर तहसील शेष 43 जिलों में भी एक जनवरी से लागू की गई है।प्रदेश में बिना आवेदन, नामांतरण और अभिलेख दुरुस्तीकरण की व्यवस्था जून, 2022 से लागू की गई है। इसे साइबर तहसील नाम दिया गया है।

जानिए इसमें क्या होता है ...

इसमें रजिस्ट्री उपरांत, क्रेता के पक्ष में अविवादित नामांतरण, एक फेसलेस, पेपरलेस तरीके से ऑनलाइन प्रक्रिया के द्वारा 14 दिन में बिना आवेदन के और बिना तहसील के चक्कर लगाए स्वत: हो जाता है और खसरे तथा नक्शे में भी क्रेता का नाम चढ़ जाता है। वर्तमान में यह व्यवस्था प्रदेश के 12 जिलों की 442 तहसीलों में लागू है। इसके माध्यम से अब तक 16 हजार से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है।

सुविचार

जब आप फ़िक्र में होते है तो आप जलते है, जब आप बेफिक्र होते है तो दुनिया जलती है।

- अज्ञात

संपादकीय

नए वैरिएंट से पुरानी आशंकाएं

कोरोना के नए सब-वेरिएंट ने उन सभी पुरानी आशंकाओं को पैदा कर दिया है,जिससे दो साल पहले बमुश्किल निजात मिली थी। कोरोना के इस वैरिएंट जेएन वन ने दुनिया के 40 देशों में अपना फैलाव कर लिया है। कोरोना के सभी मामलों को देखा जाए तो देश भर में छह सौ से ज्यादा नए केस मिले हैं। पिछले दो सप्ताह में भारत में कोरोना से डेढ दर्जन मौतें हुई हैं। वैसे तो कोरोना की पिछली लहरों के मुकाबले यह संख्या गंभीर नहीं कही जाएगी, लेकिन शुरू में धीरे और फिर तेजी से फैलाव की इसकी प्रवृत्ति को देखते हुए किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा सकती। इसीलिए सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया है। राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने टेस्टिंग बढ़ाने, सर्विलांस सिस्टम को मजबूत करने और सभी केसों की रिपोर्टिंग करने पर जोर दिया। महामारी शुरू होने के बाद से ही हम कोरोना के चले जाने और इसके फिर से आ धमकने की घोषणाएं सुनते रहे हैं। यह बात समझने की है कि कोरोना वायरस कभी गया नहीं था न ही यह जाएगा। यह हमारे इकोसिस्टम का हिस्सा बन चुका है और यहीं बना रहेगा। समय-समय पर इसके नए-नए वेरिएंट आते रहेंगे और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाते रहने होंगे। जहां तक इसके नए सब-वेरिएंट छह.1 का सवाल है तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस पर नजर रखने की जरूरत बताई है। यह ऐसे समय उभरा है, जब पहले टीका ले चुके या इसकी चपेट में आ चुके लोगों में बनी एंटी बॉडी कमजोर हो चुकी है। इसके अलावा यह ठंड का मौसम है, जो वायरस के अनुकूल पड़ता है। भारत और अन्य देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर जब नए वायरस की जीनोम एनालिसिस बढ़ेगी तो इसके व्यवहार से पता चलेगा कि इसकी संक्रामक और मारक शक्ति कितनी कम या ज्यादा है। लेकिन अब तक अन्य देशों के अनुभव से ऐसा नहीं लगता कि इसकी मारक शक्ति ज्यादा है। अगर संक्रमण तेजी से फैलता है तो भी इसका वास्तविक असर इस बात पर निर्भर करेगा कि अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या ज्यादा है या नहीं। लेकिन दो-तीन दिनों का हल्का खांसी-बुखार भी न केवल लोगों की सेहत पर असर डालता है बल्कि दफ्तर में मौजूदगी को भी प्रभावित करता है। ऐसे में इसे हलके में लेने का कोई कारण नहीं है। अच्छी बात यह है कि जानकारों के मुताबिक चाहे नया सब-वेरिएंट हो या कोरोना के पुराने वेरिएंट, अच्छी क्वॉलिटी का फेस मास्क इससे बचाव का कारगर साधन है। इसलिए लोगों को चाहिये कि घबराने की बजाए वे इसके बचाव के सभी तरीके अपनाने की कोशिश करें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना और अन्य सावधानियां बरतना हमें बड़ी परेशानियों से बचा सकता है। लंबे समय तक परेशान रहने और सामाजिक व आर्थिक तौर पर खुद को कमजोर करने से बेहतर तो यही है कि सभी नागरिक पिछले तमाम अनुभवों से सबक लेकर अभी से सारी सावधानियों को लेकर सतर्क रहें।अभी करीब एक महीने तक ठंड का जोर रहने के आसार हैं,ऐसे मौसम में बीमारी परेशान भी करती हैं,इसलिये सभी राज्य की सरकारों को भी चाहिये कि वे अपने प्रशासन तंत्र को चौकस करें,सामाजिक संस्थाओं की मदद लेकर लोगों को फिर से आगाह करने का क्रम शुरू कर दें। इसके अलावा सभी स्वास्थ्य सेवाओं को भी दुरूस्त रखने की जरूरत है। हालांकि केंद्र ने सभी राज्यो को गाइडलाइन भेज दी हैं और सरकारें इस दिशा में कुछ करती नजर भी आ रही हैं लेकिन जरा भी ढील या लापरवाही का वक्त अब नहीं है।

निशाना

है मचा बवाल !

- कृष्णेन्द्र राय

नकल था उतारा ।
है मचा बवाल ।।
उनकी कार्यशैली पर ।
उठ रहे सवाल ।।
थमता ना तूफान ।
हैं कितने गंभीर ।।
है बढ़ानी सीटें ।
धराशाई वीर ।।
है प्रयास जारी ।
निकले ना उपाय ।।
हो रहे हैं नित नित ।
है लगता असहाय ।।
गुणा भाग लेकिन ।
आ रहा ना काम ।।
क्रम रहेगा लगता ।
आगे भी विश्राम ।।

आज का इतिहास

- **2008**- सॉफ्टवेयर कम्पनी सत्यम पर विश्व बैंक ने प्रतिबंध लगाया।
- विख्यात कथाकार गोविन्द मिश्र को उनके उपन्यास कोहरे के क़ैद रंग के लिए हिन्दी भाषा के साहित्य अकादमी पुरस्कार 2008 से नवाज़ा गया।
- **2007** - पाकिस्तान में लगे आपातकाल को वहाँ की अदालत ने सही ठहराया।
- **2005** - वामपंथी विरोधी लेक काकजिंस्की ने पौलैंड के राष्ट्रपति का पद भार ग्रहण किया।
- **2003** - इस्त्रायल ने गाजा पट्टी पर हमला किया।
- **2002** - इस्त्रायली सेना के हटने तक फ़िलिस्तीन का चुनाव स्थगित।
- **2000** - न्यूजीलैंड ने आस्ट्रेलिया को हराकर विश्व महिला क्रिकेट ख़िताब जीता।
- **पश्चिम** बंगाल की राजधानी कलकत्ता का नाम आधिकारिक तौर बदलकर कोलकाता किया गया।
- **1995** - हरियाणा के मंडी डाबवाली इलाके में स्थित एक स्कूल में कार्यक्रम के दौरान आग लगने से 360 लोगों की मौत।
- **1969** - चांद पर से लाए गए पत्थरों को राजधानी में आयोजित एक प्रदर्शनी में रखा गया।
- **1976** - सर शिवसागर रामगुलाम द्वारा मॉरिशस में मिली जुली सरकार का गठन।
- **1968** - मौसम संबंधी देश के पहले रॉकेट 'मेनका' का सफल प्रक्षेपण।
- **1926** - आर्य समाज प्रचारक एवं विद्वान् स्वामी श्रद्धानंद की हत्या।
- **1922** - बीबीसी रेडियो ने दैनिक समाचार प्रसारण शुरू किया।
- **1921** - विश्व-भारती विश्वविद्यालय का उद्घाटन हुआ।
- **1914** - प्रथम विश्व युद्ध- ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सेना मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंची।
- **1912** - नई दिल्ली को देश की राजधानी घोषित करने के वास्ते वायसराय लार्ड हार्डिंग द्वितीय ने हाथी पर बैठकर शहर में प्रवेश किया लेकिन इस दौरान एक बम विस्फोट में वह घायल हो गए।
- **1902** - चौधरी चरण सिंह, भारत के सातवें प्रधानमन्त्री।
- **1901** - शांतिनिकेतन में ब्रह्मचर्य आश्रम को औपचारिक रूप से खोला गया।

दंड के बजाय न्याय यकीनी बनाने के लिए बदलाव

प्रमोद भार्गव

अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे औपनिवेशिक कानूनों से आखिरकार जनता को मुक्ति मिल गई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुलामी के प्रतीक माने जाने वाले तीन प्रमुख कानूनों में आमूल-चूल बदलाव के विधेयक लोकसभा एवं राज्यसभा से पारित करा लिए। इनमें परिवर्तन की प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी, क्योंकि फिरंगी हुकूमत के समय वजूद में आये ये कानून स्वतंत्रता सेनानियों को अधिकतम दंड देने की मानसिकता से बनाए गए थे। जबकि कोई भी विधि सम्मत प्रक्रिया दंड की अपेक्षा न्याय के सरोकारों से जुड़ी होनी चाहिए। शाह ने इन विधेयकों पर संसद में चर्चा करते कहा कि इन कानूनों के लागू होने के बाद दुनिया में सर्वाधिक आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली भारत की होगी, क्योंकि अब इनकी आत्मा में भारतीयता निहित कर दी है। उन्होंने अंग्रेजों के और अब के कानून में फर्क बताते हुए कहा कि अंग्रेजों के जमानों में बने कानून का उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्य के हितों की रक्षा करना था। इसलिए इसमें दंड को मूल में रखा गया था, किंतु अब न्याय पर जोर होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त को लाल किले से दिए संबोधन में पांच प्रण किए थे, इनमें एक प्रण गुलामी की निशानियों को खत्म करना था। कानून संबंधी पारित विधेयक उसी परिप्रेक्ष्य में हैं। इन नए कानूनों के अंतर्गत दंड अपराध रोकने की भावना पैदा करने के लिए दिया जाएगा। ये नए कानून महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर केंद्रित हैं। अब नए कानून में नाबालिग से दुष्कर्म और मॉब लिंचिंग के लिए फांसी की सजा दी जाएगी। राजद्रोह कानून ब्रिटिश सत्ता को कायम रखने के लिए था, इसे अब खत्म किया जा रहा है। कुछ प्रचलित धाराओं की संख्या भी बदली गई है। जैसे धोखाधड़ी 420 धारा के अंतर्गत थी, इसे अब धारा 316 के रूप में जाना जाएगा। बलात्कार की धारा 376 को 63 में बदला जाएगा। प्रमुख रूप से अंग्रेजी राज का पर्याय बने तीन मूलभूत कानूनों में आमूल-चूल परिवर्तन किए गए हैं। साल 1860 में बने इंडियन पेनल कोड को अब भारतीय न्याय संहिता, 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड को अब भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम से जाना जाएगा। कुल 313 धाराएं बदली गई हैं। इनमें चार धाराएं सबसे ज्यादा असरकारी साबित होंगी। एक, राजद्रोह कानून से 'राजद्रोह' शब्द विलोपित कर दिया जाएगा। नए प्रारूप में धारा 150 के तहत आरोपी को सात साल की सजा से लेकर उम्रकैद तक की सजा दी जा सकती है। दो, मॉब लिंचिंग यानी उन्मादी भीड़ द्वारा हत्या और हिंसा के लिए अलग से सजा का प्रावधान किया गया है। इसे पंथ निरपेक्ष रखा गया है। क्योंकि कभी-कभी चोर को भी भीड़ मार देती है। कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर समूह मार देता है। इन हत्याओं पर अब मॉब लिंचिंग कानून लागू होगा। तीन, नाबालिग से दुष्कर्म या पहचान छिपाकर किए गए दुष्कर्म के आरोप में 20 साल का कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। विरोध नहीं करने के अर्थ का आशय सहमति नहीं निकाला जाएगा। मौजूदा स्थिति में नाबालिग से दुष्कर्म पर न्यूनतम सजा में सात साल की व्यवस्था है। इसी तरह राज्यों को अब असली पहचान छिपाकर संबंध बनाने वाले अपराधियों के लिए 'लव जिहाद' जैसा पृथक कानून बनाने की जरूरत नहीं। प्रस्तावित कानून में गलत पहचान बताकर नौकरी, पदोन्नति और अन्य प्रलोभन दिलाने के झूठे वादे कर दुष्कर्म के अंजाम को सजा के दायरे में लाया गया है। चौथा, छोटे-मोटे अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा का क्रांतिकारी प्रावधान किया गया है।

सबसे बड़ा परिवर्तन 1860 में अस्तित्व में आए औपनिवेशिक कानून 'राजद्रोह' में किया गया है। इसके औचित्य पर लगातार संसद में व बाहर भी सवाल उठते रहे हैं। संप्रग सरकार के दौरान 2012 में राज्यसभा में प्रस्तुत निजी विधेयक में सांसद डी राजा ने कहा था कि 'स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के दमन और उन पर अत्याचार के लिए फिरंगी हुकूमत ने 1860 में देशद्रोह का कानून बनाया था। इसे और कठोर 1870 में धारा 124-ए को दण्ड प्रक्रिया संहिता में शामिल कर लिया गया था, लिहाजा इस कानून में अब बदलाव की जरूरत है।' लेकिन इस निजी विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। हालांकि सरकार ने तब संसद में यह भी स्पष्ट किया था कि समुचित दायरे में रहकर सरकार की आलोचना करने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन जब आपत्तिजनक तरीकों का सहारा लिया जाए, तब यह धारा प्रभावी हो सकती है।' तब बहस में भाजपा समेत कई दलों के सांसदों ने सरकार के इस रुख का समर्थन किया था।

साल 1962 में शीर्ष न्यायालय के सात न्यायाधीशों की खंडपीठ ने 'केदारनाथ बनाम बिहार राज्य' प्रकरण में, राजद्रोह के संबंध में ऐतिहासिक फैसले में कहा था कि 'विधि द्वारा स्थापित सरकार के विरुद्ध अव्यवस्था फैलाने या फिर कानून या व्यवस्था में गड़बड़ी पैदा करने या फिर हिंसा को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति या मंशा हो तो उसे राजद्रोह माना जाएगा।' नए कानून में पहली बार आतंकवाद की इबारत को परिभाषित किया गया है। यदि कोई व्यक्ति देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा को संकट में डालने के इरादे से कोई कृत्य करता है तो उसे नए कानून के हिसाब से सजा मिलेगी। अतएव देश के अस्तित्व को चुनौती देने वाले बाहरी या भीतरी असामाजिक तत्व कानूनी शिकंजे से बचने न पाएं, इसकी व्यवस्था के प्रावधान किए गए हैं। भारत के विरुद्ध सांप्रदायिक कट्टरता फैलाने और सरकार के लिए नफरत के हालात बनाने में भारत विरोधी विदेशी ताकतें सोशल मीडिया का मनचाहा एवं गलत दुरुपयोग करती हैं, इसलिए नए कानून में ऐसी ताकतों पर अंकुश के लिए कठोर कानूनी प्रावधान हैं।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

इंडिया गठबंधन को मिलकर मुकाबला करना होगा

ललित गर्ग

संसदीय अवरोध, विपक्षी दलों के 143 सांसदों के निलम्बन एवं उपराष्ट्रपति की मिमिक्री करने की घटनाओं से आक्रामक हुए राजनैतिक माहौल के बीच 28 पार्टियों का इंडिया गठबंधन विपक्षी दलों के साथ चौथी बार फिर से दिल्ली में एक छत के नीचे आया। बैठक का उद्देश्य था कि विपक्षी दलों के बीच सीट शेयरिंग एवं संयोजक के नाम पर सहमति सहित कई मुद्दों पर एक राय कायम करना। लेकिन इंडिया गठबंधन की इस बैठक में दल भले ही आपस में मिले, लेकिन दिल नहीं मिल पाये। लोकतंत्र की मजबूती के लिये सशक्त विपक्ष बहुत जरूरी है, लेकिन विपक्षी दलों की संकीर्ण सोच, सिद्धान्तविहीन राजनीति एवं सत्तालालसा ने विपक्ष की राजनीति को नकारा कर दिया है। सोचा गया था कि इंडिया गठबंधन विपक्ष से जुड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी की लौ को फिर से प्रज्वलित कर सकेगा और ऐसी सोच एवं राजनीति प्रणाली का निर्माण करेगा जो वास्तव में लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए हो। लेकिन ऐसा न होना इंडिया गठबंधन की बड़ी असफलता है और आने वाले वर्ष 2024 के लोकसभा में उसकी भूमिका टांय-टांय फिस ही होती हुई नजर आ रही है। क्योंकि चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन में एकजुटता की बातें हवा हो रही है। न संयोजक और न ही प्रधानमंत्री और न ही नरेन्द्र मोदी के सामने कौन चुनाव लड़े के नाम पर सहमति बन पायी है।

आज दुनियाभर में लोकतंत्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है। भारत में विपक्ष की नकारात्मक स्थितियों के कारण यह संकट ज्यादा बड़ा है। इसका कारण है विपक्ष से जुड़े संस्थानों, राजनीतिक हस्तियों और लोकतांत्रिक निर्णयों का आधार बनने वाली प्रणालियों पर धीरे-धीरे कम हो रहा भरोसा। विश्वास का यह संकट तत्काल कार्रवाई की मांग करता है। आज हमें विपक्षी राजनीतिक तंत्र पर मौलिक विचार

मंथन के बाद पुनर्मूल्यांकन कर इन्हें पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है ताकि बदलती हुई सामाजिक एवं राष्ट्रीय जरूरतों के साथ सामंजस्य स्थापित किया जा सके और सरकार एवं शासन की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकें जिसमें राजनीतिक प्रक्रियाओं का नहीं बल्कि नागरिकों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का महत्त्व हो।

इंडिया गठबंधन की प्रथम अपेक्षा है कि इससे जुड़े सभी दलों में आपसी सहमति एवं एकजुटता बने। लेकिन चौथी बैठक में ऐसा होता हुई नहीं दिखा। सबसे खास बिहार के मुख्यमंत्री और इंडिया गठबंधन की नींव रखने वाले नीतीश कुमार ने जल्द से जल्द सीट शेयरिंग के मुद्दे पर आम सहमति बनाने की अपील की, लेकिन जिस बात का डर शुरू से था वही हुआ। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक ऐसा प्रस्ताव रख दिया, जिससे विपक्षी एकजुटता में सेंध लगी और राजनीतिक माहौल गरमा गया। ममता दीदी ने चाल चलते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रधानमंत्री/संयोजक पद के लिए रख दिया जबकि इस नाम के लिए नीतीश प्रारंभ से लामबंदी कर रहे थे। खड़गे का नाम सुनते ही ना सिर्फ नीतीश बल्कि नीतीश के नाम के पीछे अपने बेटे तेजस्वी का भविष्य तलाशने वाले लालू यादव भी नाराज हो गए। नाराजगी ऐसी कि दोनों दिग्गज लालू और नीतीश कुमार गठबंधन की बैठक के बीच से ही निकल गए और साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी शामिल नहीं हुए। ऐसे में ये भी सवाल उठता है कि क्या गठबंधन में सिर्फ बैठकें होंगी या फिर कुछ निष्कर्ष भी निकलेगा। क्या गठबंधन लोकसभा चुनाव की कोई प्रभावी एवं सार्थक चुनावी प्रक्रिया तय कर पायेगी? क्योंकि लोकसभा चुनाव में अब 6 महीने से भी कम का समय बचा है। मोदी के रथ पर सवार बीजेपी को हराने के लिए इंडिया गठबंधन ऐड़ी चोटी का जोड़ तो लगा रही है, लेकिन सभी दल एक मुद्दे पर सहमत नहीं हो पा रहे हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन कोरा सत्ता के लिए प्रयत्नशील हैं लेकिन लोकतांत्रिक आदर्श के लिए नहीं। ऐसा माना जाता है कि सत्ता समझौतों पर टिकी होती है और आदर्श सिद्धांतों पर। दोनों में संतुलन और सामंजस्य की स्थितियां दुर्लभ होती जा रही है। विपक्षी दल चाहे कितनी ही समस्याएं पैदा करते हों, लेकिन अगर वे अलग-अलग मुद्दों से ज्यादा नीतिगत प्रश्नों पर ध्यान दें तो उन्हीं के जरिए लोगों को आकर्षित कर सकते हैं। कोई भी दल सत्ता में आने के लिए गठबंधन तब करता है जब अकेले सरकार बनाने या जीतने की स्थिति में नहीं होता। लेकिन आदर्शवादी राजनीति सोच इसे सत्तामोह और समझौतावाद कहते हैं। इसका अर्थ यह है कि सिद्धांतवादी दलों को किसी से गठजोड़ नहीं करना चाहिए, भले उसका परिणाम राजनीतिक असफलता ही क्यों न हो। लेकिन राजनीति में गठबंधन एक विवशता बनती जा रही है, क्योंकि किसी भी विपक्षी दल में सिद्धान्त एवं मूल्यों की राजनीति करने का माद्दा नहीं उभर पा रही है। --

यह देश का दुर्भाग्य है कि राजनीति में सिद्धांतों और मूल्यों की बातें मजाक होकर रह गई है। बड़ी सोच एवं बड़ी दृष्टि इन विपक्षी दलों में पनप ही नहीं पा रही है। इंडिया गठबंधन में कुछ संभावना बनी थी, लेकिन उसमें भी न तो बड़ी दृष्टि है न देश की सही समझ और न ही बड़ी लड़ाई लड़ने का दम और जीवट दिखाई पड़ता है। अगर वाकई देश को राजनीतिक विनाश के रास्ते से हटा कर सही एवं सकारात्मक रास्ते पर लाना है तो जीवट नेतृत्व की अपेक्षा है। ऐसा विपक्षी नेतृत्व उभरे जिसमें समझ और तप दोनों का समावेश हो। राष्ट्र एवं समाज को विनम्र करने का हथियार मुद्दे या लॉबी नहीं, पद या शोभा नहीं, ईमानदारी है। और यह सब प्राप्त करने के लिए ईमानदारी के साथ सौदा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह भी एक सच्चाई है कि राष्ट्र, सरकार, समाज, संस्था व संविधान ईमानदारी से चलते हैं, न कि झूठे दिखावे, आश्वासन एवं वायदों से। दायित्व और उसकी ईमानदारी से निर्वाह करने की अनभिज्ञता संसार में जितनी क्रूर है, उतनी क्रूर मृत्यु भी नहीं होती। मनुष्य हर स्थिति में मनुष्य रहे। अच्छी स्थिति में मनुष्य मनुष्य रहे और बुरी स्थिति में वह मनुष्य नहीं रहे, यह मनुष्यता नहीं, परिस्थिति की गुलामी है।

हमारा विपक्षी नेतृत्व अपने पद की श्रेष्ठता और दायित्व की ईमानदारी को व्यक्तिगत अहम् से ऊपर समझने की प्रवृत्ति को विकसित कर मर्यादित व्यवहार करना सीखें अन्यथा शतरंज की इस बिसात में यदि प्यादा वज़ीर को पीट ले तो आश्चर्य नहीं। बहुत से लोग काफी समय तक दवा के स्थान पर बीमारी ढोना पसन्द करते हैं पर क्या वे जीते जी नष्ट नहीं हो जाते? खीर को ठण्डा करके खाने की बात समझ में आती है पर बासी होने तक ठण्डी करने का क्या अर्थ रह जाता है? लोगों के दिलों को जीतने की राजनीति ही सार्थक परिणाम लाती है, विपक्षी दल यह बात भूल कर कब तक अंधेरे में तीर चलाते रहेंगे। विपक्षी दलों को लोगों के विश्वास का उपभोक्ता नहीं अपितु संरक्षक बनना होगा। भारत न केवल अपने आकार के कारण, बल्कि तेजी से बदलती दुनिया में अनुकूलन और पनपने की अपनी क्षमता के कारण दुनिया की एक महाशक्ति बन रहा है, इन बदलती स्थितियों में भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूती देने के लिये विपक्षी दलों को एक आदर्श मॉडल के रूप में अपनी सहभागिता देनी चाहिए।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

पोस्टर प्रतियोगिता,लघु फिल्म प्रदर्शन के साथ अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा कॉलेज के गणित एवं कंप्यूटर साइंस विभाग के तत्वावधान में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री निवास रामानुजन के जीवन पर आधारित लघु फिल्म थी, जिसे प्राध्यापकों के निर्देशन में विद्यार्थियों द्वारा कालेज में ही निर्मित किया ! साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता भी संपन्न हुई , जिसमें रितिका मांझी प्रथम, छवि मेषकर द्वितीय तथा गुंजन यादव तृतीय स्थान पर रहे। प्राचार्य डॉ. ओ. एन. चौबे ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि गणित हमारे जीवन के लिए बेहद जरूरी है फॉर्मूलों पर आधारित इस विषय में डिग्री करियर विकल्पों की एक बड़ी श्रृंखला तैयार करती है इस विषय से समस्या समाधान कौशल विकसित होता है ! विभागध्यक्ष डॉ. संजय चौधरी ने डॉ रामानुजन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय विद्यार्थी दुनिया में सबसे ज्यादा गणित विषय में पारंगत माने जाते हैं बैंकिंग अर्थशास्त्री चार्टर्ड अकाउंटेंट इंजीनियर शिक्षक और कंप्यूटर विज्ञान जैसे क्षेत्रों में विश्व भर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं ! डॉ. कमल वाधवा द्वारा अंकगणित पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया गया ! उन्होंने बताया कि गणित को रोचक और सरल कैसे बनाएं कि बच्चों के मन से इसका डर कम हो।डॉ कमल चौबे,डॉ. हंसा व्यास, श्रीमती जय श्री नंदनवार ने भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया ! नमामि यादव, अक्षरा मिश्रा ने मिशन चंद्रयान पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया। मंच संचालन अंशिता मीना और अंशु मिश्रा का रहा। आभार व्यक्त करते हुए श्रीमती जय श्री नंदनवार ने दशमलव प्रणाली, ज्यामितीय और त्रिकोणमिति के मूल सिद्धांतों को भी भारतीय गणितज्ञों की देन बताया.विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।कार्यक्रम में डॉ. एस.सी. हर्ने, डॉ. अलोक मित्रा, डॉ. एस. के. उदयपुरे,, डॉ. बी एस.आर्य, डॉ. बी.एल.राय, डॉ. के. जी. मिश्र, डॉ. सविता गुप्ता, डॉ. यास्मीन खान, डॉ अंजना यादव,सुरभि भट्ट, मनोज यादव, प्रतीत गौर, नितिन सोनी, शाहीद खान, शबनम कुरैशी, रेणुका ठाकुर, मेघा रावत एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नर्मदा कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया

बैठक में आए सुझाव के परिप्रेक्ष्य में कार्यों का प्रस्तुतीकरण

कृषि विज्ञान केंद्र की छठवी वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर जिला नर्मदापुरम की छठवी वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर के डॉ. ऐ. पी. जे. अब्दुल कलाम सभागार में आयोजित की गयी जिसकी अध्यक्षता संचालक विस्तार सेवाएँ जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय से पधारे प्रतिनिधि डॉ संजय वैशम्पायन ने की। बैठक में उपसंचालक कृषि जे.आर. हेडाऊ, सहायक बीज प्रमाणीकरण अधिकारी, डॉ. उपमा रावत, ब्लाक पशु चिकित्सा अधिकारी पिपरिया, डॉ. पी.एस.यादव एवं कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर के उपाध्यक्ष, मकरन सिह पटेल, सहसचिव, केशव माहेश्वरी, भूपेन्द्र सिंह पटेल, अनिल बरोलिया, मनोज राय वं कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. संजीव कुमार गर्ग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक व सह वैज्ञानिक तथा जिले के प्रगतिशील कृषको की उपस्थिति में संपन्न की गई.बैठक में निदेशक, भा.कृ.अनु.प.- कृषि तकनिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान,जबलपुर डॉ. एस.आर. के. सिंह ने आभासी रूप से भाग लिया। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया, तत्पश्चात अतिथियों को श्रीफल एवं मोमंटो प्रदान कर

कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

बैठक की शुरुआत मे केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ संजीव कुमार गर्ग ने 2022-23 की पंचम वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में आए सुझाव के परिपेक्ष्य में की गई कार्य का प्रस्तुतीकरण किया जिसमे ड्रोन प्रदर्शन, जैविक खेती, मृदा परीक्षण, जैविक कीट प्रवंधन, विकसित प्रजातियां, व्यवसायिक फसल के बारे मे प्रगति बताई.इसके साथ ही रबी 2023 की कार्य योजना डॉ गर्ग ने समिति के अध्यक्ष एवं सम्मानीय सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की तत्पश्चात सामूहिक चर्चा एवं सुझाव आमंत्रित किये गये । बैठक में आभासी रूप से जुड़े निदेशक, भा.कृ.अनु.प.- कृषि तकनिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान,जबलपुर डॉ. एस. आर.के.सिंह द्वारा मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती में आर्गेनिक कार्बन के परिणाम आने में लगभग 5 वर्ष लगते है । नवीनतम एवं सर्वश्रेष्ठ तकनिकी से वित्तीय एवं मानव संसाधन से परिणाम मूलक कार्य हेतु योजना बनाई जाए व नीति आयोग द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र को सलाह दी गई कि जिले के प्रत्येक विकासखंड में उचित डिजिटलाजेशन के माध्यम से प्रत्येक किसान तक कृषि योजनाओं की पहुंच होनी चाहिए, जिसके OFT, FLD, CFLD, जागरूकता, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सन्देश एवं साहित्य आदि माध्यम हो सकते है ।

डॉ. संजय वैशम्पायन द्वारा उद्बोधन देते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती कर रहे सफल किसानो की सफलता की कहानी व्यापक रूप से जिले में प्रसारित की जाए जिससे जिले के अन्य किसानो को प्राकृतिक खेती हेतु प्रेरणा एवं जागरूकता मिले । कृषि ड्रोन तकनिकी से लागत को कम कर के उत्पादन को बढया जा सकता है अनेक विकसित देश ड्रोन तकनिकी का प्रयोग कर अधिक उत्पादन एवं अधिक लाभ की कृषि कर रहे है. उपसंचालक जे.आर.हेडाऊ ने कहा कि पोर्टल पर पंजीकृत प्राकृतिक कृषको को उचित सलाह एवं प्राकृतिक कृषि से जुडी जानकारी कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा प्रेषित की जाए.

बैठक में प्रगतिशील कृषक गोपाल कुशवाहा, शरद वर्मा एवं जिले के अन्य प्रगतिशील किसान, कृषि विज्ञान केंद्र गोविन्दनगर से वैज्ञानिक ब्रजेश कुमार नामदेव, डॉ देवीदास पटेल, डॉ.आकांक्षा पांडे, लवेश चौरसिया, राजेन्द्र पटैल, डॉ प्रवीण सोलंकी, पंकज शर्मा, विकास मोहरीर, राहुल माझी एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे. कार्यक्रम के अंत मे आभार प्रदर्शन कृषि विज्ञान केंद्र गोविन्दनगर के वैज्ञानिक ब्रजेश कुमार नामदेव द्वारा किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित

संकल्प यात्रा का ग्रामीणों द्वारा उत्साहपूर्वक किया गया स्वागत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विकसित भारत संकल्प यात्रा शुकवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंची। जनपद नर्मदापुरम के ग्राम कुलामढ़ी में संकल्प यात्रा का ग्रामीणों द्वारा उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। विधायक नर्मदापुरम डॉ सीरासरन शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विधायक डॉ शर्मा द्वारा विभिन्न योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पीयूष शर्मा , जनपद सीईओ हेमंत सुत्रकार सहित अन्य जनप्रतिनिधि , अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे.

कुलामडी सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया गया। कार्यक्रम में कृषि, स्वास्थ्य, पेंशन, श्रम, पंचायत, राजस्व इत्यादि विभागों द्वारा योजनाओं संबंधित स्टॉल भी लगाए गए। जहां ग्रामीणों ने योजना से संबंधित जानकारी प्रदान की गई और आवेदन भी लिए गए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना , इत्यादि विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने अपनी सफलता की कहानी भी बयां की। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने विकसित भारत के संकल्प की शपथ ली।

विकसित भारत संकल्प यात्रा शुक्रवार को नर्मदापुरम जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत कुलामढ़ी और रायपुर में, सिवनीमालवा अंतर्गत ग्राम पंचायत रमपुरा और रूपादेह, जनपद पिपरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरीताला और पचलावरा, जनपद केसला अंतर्गत ग्राम पंचायत छीतापूरा और पिपरियाखुर्द, जनपद बनखेड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत सैलियाकिशोर और पुरैनाकला, जनपद माखननगर अंतर्गत ग्राम पंचायत शुक्करवाड़ाकला और गोरा में तथा जनपद सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत रानीगोहन एवं किशनपुर में संकल्प यात्रा पहुंची यहां हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त किए गए और अनेक विभागों द्वारा लगाए गए शिविरों में हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

23 दिसंबर को नर्मदापुरम जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत जासलपुर और निमसाडिया में, सिवनीमालवा अंतर्गत ग्राम पंचायत मुड़ियाखेड़ी और बनाडा, जनपद पिपरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत सहलवाड़ा और सिवनी, जनपद केसला अंतर्गत ग्राम पंचायत कोहदा और सहेली, जनपद बनखेड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवाडाढाढिया और समनापुर, जनपद माखननगर अंतर्गत ग्राम पंचायत गुढ़ला और मांगरोल में तथा जनपद सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत गुजेरखेड़ी एवं भोखेडीकला में संकल्प यात्रा पहुंचेगी।

दंत परीक्षण शिविर में जिले के 13472 बच्चों की जांच

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले के स्कूली बच्चों के दंत परीक्षण के लिए कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देश पर जिला चिकित्सालय और रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा विभिन्न शासकीय और निजी स्कूलों में दंत परीक्षण कैंप आयोजित किए जा रहें हैं। इन परीक्षण शिविरों के दौरान अभी तक 29 स्कूलों के बच्चों के 13472 बच्चों की दंत विशेषज्ञ द्वारा जांच की गई। जिसमें कुल 2542 बच्चे जिन्हें उपचार के लिए चिन्हित किया गया।

2542 बच्चों को उपचार के लिए किया गया चिन्हित

एसएनजी स्कूल में आयोजित कैंप का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

शुक्रवार को एसएनजी स्कूल नर्मदापुरम में आयोजित कैंप का कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण किया। उन्होंने जिला चिकित्सालय और रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। कैंप में दंत विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा बच्चों के दांतो की जांच के साथ ही उन्हें उचित ब्रशिंग तकनीक, खाने के पैटर्न , भोजन के विकल्प, दांतों को रोजाना दो बार साफ करने, दांतों को हमेशा 2 से 3 मिनट तक ब्रश करने, अपने टूथब्रश को हर तीन माह में बदलने, टूथब्रश को साफ रखने और सुखी जगह में रखने, टूथब्रश को साफ एवं किसी दूसरे के साथ साझा न करने। अपनी जीभ को साफ करने और प्रतिदिन शाम को हल्के गुनगुने पानी से कुल्ला करने की सलाह दी गई।

इस दौरान जिला रेडक्रास प्रबंध समिति से डॉ राजेश महेश्वरी, चंद्र गोपाल मलैया , गौरव सेठ , केशव साहू,डी एस डांगी, प्रदीप मिश्रा, देवदत गौर,नीरजा फोजदार, देवदत्त गौर ,शेर सिंह बड़कुर, एसएनजी स्कूल के प्राचार्य जय वर्मा, जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम की टीम दंत परीक्षण टीम में डा अंशुल गुप्ता डॉक्टर मिलन सोनी डा दिव्या, डा रजनी, डा सिंदूरा आकाश दंत सहायक एवं एसएनजी स्कूल स्टाफ उपस्थित थे।

हितग्राही मूलक योजनाओं और विकास कार्यों को समय पर पूरा करें: कमिश्नर डॉ. शर्मा

नर्मदापुरम। कमिश्नर डॉ. पवन शर्मा ने भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के कलेक्टर तथा जिला पंचायत के सीईओ को निर्देश दिए है कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण के साथ ही विकास और राज्य तथा केंद्र सरकार की हितग्राही मूलक योजनाओ एवं विकास कार्यों के लक्ष्यों को समय अवधि में पूरा करे। उन्होंने गत 16 दिसंबर से प्रारंभ हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान हितलाभ वितरण की भी समीक्षा की। संभाग आयुक्त कार्यालय के वीसी रूम में भोपाल संभाग के जिलों के कलेक्टर और सीईओ उपस्थित थे जबकि नर्मदापुरम संभाग के अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक

में उपस्थित हुए। कमिश्नर ने विगत एक सप्ताह में ग्राम पंचायत और नगरीय क्षेत्र में विकसित भारत के रथों के भ्रमण की जानकारी ली और कलेक्टर से निर्धारित योजनाओ के लाभान्वितों की स्थिति जानी।उन्होंने उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, मातृ वन्दना योजना किसान क्रेडिट कार्ड आदि के वितरण पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कलेक्टर को यात्रा में शामिल होने के निर्देश भी दिए। बैठक में राजस्व प्रकरण के निराकरण की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बटवारा और सीमांकन के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने अगली बैठक के पूर्व शत प्रतिशत निराकरण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है।उन्होंने सी एम हेल्पलाइन सहित अनुकम्पा नियुक्ति आदि के प्रकरणों की भी समीक्षा की।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना ऐशबाग भोपाल

क्र./था.प्रा/ऐशबाग/भो/डी-1012/2023 दिनांक 21.12.23

जाहिर सूचना/गुमशुदा की तलाश

सर्व साधारण की जानकारी के लिये सूचित किया जाता है कि थाना ऐशबाग भोपाल के सूचक शबनम बी पति ताज खान उम्र 35 साल नि. म.नं. 04 गली नं. 02 सोनिया कालोनी थाना ऐशबाग भोपाल कि रिपोर्ट पर दिनांक 21.08.23 के शाम करीबन 18.32 बजे थाना ऐशबाग पर गुम इंसान क्र. 79/23 कायम किया गया है 17.08.2023 के 08.30 बजे गुम शुदा ताज खान पिता ऐजाज खान उम्र 40 साल नि. म. नं. 04 गली नं. 02 सोनिया कालोनी थाना ऐशबाग भोपाल घर से नागपुर की दरगाह जाने का कहकर निकले थे जो दिनांक 20.08.23 तक घर वापस नहीं आये जिस पर से गुम इंसान क्र. 79/23 दिनांक 21.08.23 को कायम कर जाँच में लिया गया। हुलिया कद 05 फीट 04 इंच, रंग गेहुंआ, चेहरा लम्बा, सामान्य बदन, बाल काले सफेद, फिरोजी रंग की शर्ट एवं नीले रंग की जींस पेन्ट, पैरो में सफेद रंग के बेल्ट वाली स्लीपर पहने है।

अतः उक्त गुमशुदा व्यक्ति के बारे में किसी को भी कोई सूचना मिलती है तो थाना ऐशबाग को फोन नं. 0755-2677353 या 7049104309 या पुलिस कंट्रोल रूम भोपाल को सूचित करने का कष्ट करे।

थाना प्रभारी
थाना ऐशबाग भोपाल

जी-22027/23

विकसित भारत संकल्प यात्रा में बिजली कंपनी की सबसे ज्यादा शिकायत, उनके ही अधिकारी रहे गायब

विकसित भारत संकल्प यात्रा ग्राम पंचायत बगरोदा एवं भटौली पहुंची

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

तहसील के ग्राम पंचायत भटौली एवं बगरोदा में शुक्रवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्या अर्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। यात्रा के दौरान केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना तथा लाभ देना है। साथ ही जन समस्याओं का निवारण भी करना है, लेकिन कुछ अधिकारियों ने लापरवाही अख्तियार कर रखी है और यात्रा में शामिल नहीं हो रहे हैं। यात्रा करीब क्षेत्र के एक दर्जन गांवों में पहुंच चुकी है जिनमें से अधिकांश गांव में कई विभागों के प्रमुख पहुंच ही नहीं रहे हैं। ऐसा ही मामला शुक्रवार को देखने को मिला जब विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में किसान पहुंचे थे और उन्होंने बिजली

विभाग को लेकर शिकायतें की लेकिन उनकी शिकायतों को सुनने वाले बिजली कंपनी के कर्मचारी मौके पर मौजूद ही नहीं थे। यही स्थिति बिजली विभाग के अलावा पीएचई विभाग की रही नल जल योजना को लेकर कई लोगों ने शिकायत की लेकिन उनके भी विभाग प्रमुख मौके पर मौजूद नहीं थे। जनप्रतिनिधियों ने जब आवाज लगाई तो कुछ देर बाद एक कर्मचारी आया और उसने बताया कि वह पीएचई विभाग से है, जिसको लेकर जनपद सीईओ ने फटकार भी लगाई। जबकि सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि यात्रा के दौरान स्थल पर सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहेंगे तथा केन्द्र व प्रदेश सरकार की जितनी भी जन कल्याणकारी योजनाएं हैं, उनका प्रचार, प्रसार व लाभ संबंधित क्षेत्रवासियों को उपलब्ध कराने में सहयोग करेंगे, लेकिन शुक्रवार को आयोजित संकल्प यात्रा में कुछ विभागों के अधिकारी अनुपस्थित रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक धीरज सिंह रघुवंशी ने किया तो वहीं आभार सरपंच प्रतिनिधि विक्रम परिहार ने माना। इस दौरान मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगत सिंह रघुवंशी, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश रघुवंशी, जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश शर्मा, कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे के पुत्र अंकित सप्रे, नवांकुर संस्था प्रमुख प्रमोद रघुवंशी, मंडल मंत्री शिवराज सिंह रघुवंशी, सरपंच कृष्णा बाई परिहार, उप सरपंच देवी सिंह रघुवंशी, जनपद सीईओ वंदना शर्मा, रेंजर देवेश गौतम, सचिव मुन्नीलाल शर्मा, रोजगार सहायक भूपेश रघुवंशी, मप्र जन अभियान परिषद वॉलिंटियर, मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र आदि मौजूद रहे।

लाभार्थी हितग्राहियों ने अपने अनुभव किए साजा

इस विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से लाभार्थी हितग्राहियों ने पीएम नरेंद्र मोदी की तस्वीर रखे सेल्फी पॉइंट पर पहुंचकर अपने-अपने अनुभव साझा किए। प्रधानमंत्री सम्मान निधि के लाभार्थी विकास रघुवंशी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार मानते हुए बताया कि पीएम सम्मान निधि पाने के बाद से उनका विकास हुआ है, उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने इस तरह की योजना लाकर किसानों को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना की लाभार्थी यशोदा बाई अहिरवार ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक समय था जब भोजन बनाने में आंसू आ जाते थे, कई बार बीमारी के कारण महीनों तक अस्पताल रहना पड़ता था। आज उज्ज्वला योजना के माध्यम से मिले गैस कनेक्शन के कारण पूरा परिवार सुरक्षित है एवं समय पर भोजन बनाने में आसानी होती है और धुएं से भी राहत मिली है। पीएम आवास के हितग्राही बलराम अहिरवार ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक समय था जब बरसात के मौसम में बारिश का पानी सीधा घर में आ जाता था। हमेशा डर लगा रहता था कि घर कब गिर जाए लेकिन आज प्रधानमंत्री द्वारा मिले आवास के माध्यम से पूरा परिवार सुरक्षित है और पक्के मकान में रह रहे हैं। ऐसे ही कई अन्य हितग्राहियों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

विभिन्न योजनाओं की दी जानकारी- विकसित भारत संकल्प यात्रा में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जीवन ज्योति बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना ग्रामीण केन्द्र आदि योजनाओं की जानकारी दी गई। तो चाय स्वास्थ्य शिविर, टीबी परीक्षण, जनजातीय क्षेत्रों में सिकलसेल एनीमिया परीक्षण, पीएम उज्ज्वला नवीन पंजीयन, मेरा भारत स्वयंसेवक पंजीयन, किसान क्रेडिट कार्ड पंजीयन, पीएम स्वनिधि आदि के स्टॉल लगाया गए। हितग्राहियों ने विभागीय अधिकारियों द्वारा लगाए गए स्टॉल पर पहुंचकर समस्या सुनाई।

स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना से लड़ने के लिए पूरी तैयारी

सिरोंज में ऑक्सीजन की कमी से नहीं होगी अब मौतें: एसडीएम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ऑक्सीजन प्लांट में 250 लीटर पर मिनट बनेगी ऑक्सीजन, आसपास के क्षेत्रवासियों को भी मिलेगा फायदा

सिरोंज। सिरोंज में अब कोरोना या कोई भी बडी बीमारी से किसी की मौत नही होगी। इसके लिए सिरोंज एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि देष में इस समय कोरोना वायरस जैसे ही वैरिएंट जे एन डॉट वन का संकमण फैलता दिखाई दे रहा है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन ने शासकीय राजीव गांधी चिकित्सलय में इस खतरनाक बीमारी से लड़नें के लिए पहले से ही व्यापक व्यवस्थाए कर ली है। सिरोंज में ऑक्सीजन प्लांट व कोरोना वार्ड,कोरोना किट आदि आवश्यक तैयारिया कर ली गई है।

बीएमओ डॉ. विकास बघेल ने शहरवासियों से की अपील

शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय में पदस्थ बीएमओ डॉ. विकास बघेल ने कहा कि इस खतरनाक बीमारी से लडाई लडने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पूरी तैयारी कर ली। विभाग के पास ऑक्सीजन प्लांट के अलावा ऑक्सीजन के खाली सिलेंडर भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। इसी के साथ दवाईया व अन्य सामग्री की भी व्यवस्थाए पूरी कर ली गई। वही उन्होने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि यदि वैरिएंट जे एन डॉट वन बीमारी के लक्षण किसी व्यक्ति में पाए जाते दिखाई दे तो उक्त व्यक्ति को जल्द से जल्द शासकीय अस्पताल में उपचार के लिए लेकर आए। उक्त बीमारी के लक्षण जैसे कि बुखार, थकान, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द, खांसी, कंजेशन आदि लक्षण पाए जाते दिखाई दे रहे है। वही उन्होने कहा कि कोरोना वायरस ने पिछले दो सालों में पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया था. लाखों लोगों की इससे जान गई. बहुत से लोग अपनों को खो बैठे. इस वायरस की वजह से सबकुछ बंद हो गया था. लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हो गए थे. बाहर निकलना मुश्किल हो गया था. मास्क पहनकर रहना पड़ता था. ये सब बहुत मुश्किल भरा समय था. उस समय की दहशत की यादें अभी भी हमारे मन से जाती नहीं हैं. हम डरते हैं कि कहीं फिर से वैसा वक्त न लौट आए. अचानक फिर से कोरोना जैसा एक नया वेरिएंट फिर से मिला है. इससे सब फिर से डर गए हैं. सरकार फौरन कदम उठा रही है जिससे की वह बीता हुआ काल वापस न आए।

वैरिएंट जे एन डॉट वन से प्रषासन के पूरे विभाग लड़ेगें लड़ाई

एसडीएम हर्षल चौधरी ने कहा कि यदि वैरिएंट जे एन डॉट वन जैसी खतरनाक बीमारी हमारे शहर में दस्तक देती है तो स्वास्थ्य विभाग की इसमें अहम भूमिका रहेगी। साथ में स्थानीय प्रषासन के अलावा अन्य शासकीय विभाग जैसे कि नगर पालिका,राजस्व विभाग, जनपद पंचायत, षिक्षा विभाग, कृषि विभाग, सिचाई विभाग, पुलिस विभाग, वन विभाग आदि विभाग भी सहयोग के रूप इस खतरनाक बीमारी से लड़ाई लड़नें में स्वास्थ्य विभाग के साथ खडें रहेगें।

अब नहीं होगी ऑक्सीजन की कमी से मौतें

एसडीएम हर्षल चौधरी का कहना है कि शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय में बीएमओ डॉ विकास बघेल को निर्देष दिए थें और उन्होने निर्देषों के पालन में ऑक्सीजन प्लांट की पूरी तैयारिया कर ली है। साथ ही जो तकनीकि परेशानिया थी उसके लिए वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराकर शीर्घ ही उन परेषानियों को निराकरण किया जा रहा है। ऑक्सीजन प्लांट में 250 लीटर पर मिनट ऑक्सीजन बनती है। पिछले कोरोना काल में जैसे कि लोगो ने बताया ऑक्सीजन की कमी के कारण कई मौते हो गई थी और परिजनों द्वारा मरीज के लिए ऑक्सीजन के लिए दर दर भटकना पड रहा था और उस समय कही भी ऑक्सीजन नही मिल पा रही थी। कई नागरिक भोपाल, विदिषा, गुना आदि अन्य बड़े शहरों से ऑक्सीजन लाने का प्रयास करते थे। उस विषम परिस्थितियों में कही पर ऑक्सीजन मिल पाती थी तो कही पर ऑक्सीजन नहीं पाती मिलती थी। ऐसे संकट के समय में ऑक्सीजन नही मिलने के कारण कई मरीजों की मौत हो जाती थी, लेकिन अब सिरोंज अस्पताल में अब ऑक्सीजन प्लांट लगने के बाद पर्याप्त मात्रा में मरीजो को ऑक्सीजन मिल पाएगा। वहीं उन्होने कहा कि हम पूरी कोषिष करेगें कि इस ऑक्सीजन प्लांट से सिरोंज ब्लॉक तो लाभांवित होगा ही साथ में लटेरी व अन्य आसपास के क्षेत्रवासियों को भी इस ऑक्सीजन प्लांट का फायदा मिल पाए।

एसडीएम ने फर्जी रूप से संचालित हो रहे मदरसों की जांच के लिए दिए निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विकासखंड में अधिकांश मदरसे कागजों, एक कमरे तथा बोर्ड में लगाकर संचालित हो रहे हैं शीर्षक के साथ द्वारा गुरुवार के अंक में खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था इसके बाद एसडीएम ने खबर को संज्ञान में लेते हुए मदरसो की जांच करके प्रतिदिन देने के लिए पत्र बीआरसी को जारी किया है। दूसरी ओर खबर के बाद बी आर सी ओमप्रकाश रघुवंशी ने जांच टीम बनाकर इनकी जांच भी प्रारंभ कर दी गई है। निष्पक्ष रूप से जांच के लिए यदि एक संयुक्त टीम बनाकर सही जांच हो गई तो अधिकांश मदरसे सिर्फ कागजों में ही संचालित होते हुए पाए जाएंगे धरातल पर कुछ नहीं मिलेगा वहीं देखना है की जांच कितनी निष्पक्ष होगी या फिर जांच के नाम पर कागजी खाना पूर्ति करके मामले को रफ दफा कर दिया जाएगा। खबर के बाद से ही फर्जी रूप से संचारित होने वाले मदरस संचालकों में हड़कंप मच गया है और कार्रवाई से बचने के लिए जो मदरसे से कभी खुलते नहीं थी उनको खोलने के लिए भी इंतजाम प्रारंभ कर दिए हैं। सीएम बदलने के बाद फर्जीवाड़ा करने वालों को कारवाई होने का डर भी सता रहा है। उससे बचने के लिए इनके द्वारा इन मदरसों को खोलने के लिए क्या इंतजाम किए जाएंगे वहां देखने वाली बात होगी। अभी तक इनके द्वारा कागजों में चलने चलने का काम किया जा रहा था। कई सालों से फर्जी रूप से मदरसे कुछ एक कमरे और कागजों में चलते थे। उनमें भी इधर-उधर से बच्चों को जुटाने का काम किया जा रहा है। क्योंकि कई सालों से ग्रैंड तो नहीं रही है पर मध्यान भोजन जरूर बच्चों के नाम पर हर महीने जारी हो रहा है, उसके नाम पर फर्जी रूप से

खबर का असर

मदरसे संचालित करने वालों के द्वारा गोलमाल करके कागजों में ही बच्चों की उपस्थिति दर्ज करके भोजन के नाम पर राशि लेने और खाद्य सामग्री लेने का काम किया जा रहा था जबकि जमीनी हकीकत में अधिकांश मदरसे केवल कागजों में ही संचालित हो रहे हैं। गिने चुने मदरसे ही सही रूप से चलते मिलेंगे साथ ही प्राइवेट रूप से जो मदरसे संचालित हो रहे हैं उनमें जरूर बच्चों की उपस्थिति भी होती है वहां पर पढ़ाई भी होती है। सरकार से सुविधा लेकर चलने वाले अधिकांश मदरसे केवल कागजों में ही चल रहे। खबर के बाद से ही अधिकारियों ने अपनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

बीआरसी ओमप्रकाश रघुवंशी ने बताया कि हमने शासन से सुविधा लेकर संचालित होने वाले सभी मदरसो की जांच प्रारंभ कर दी है एक मदरसे की जांच मेने स्वयं भी की है शेष की जांच के लिए टीम भी बनाई गई है। जिनकी अलग-अलग टीमों के माध्यम से आने वाले दिनों में जांच कराई जाएंगी नियम विरुद्ध संचारित होने वाले मदरसो को बंद करने का काम किया जाएगा मेरे द्वारा पांच मदरसो को नियम विरोध संचारित होने पर बंद कर दिया गया है। क्योंकि जो मदरसे बंद किए गए हैं। वहा केवल कागजों में ही चल रहे थे धरातल पर मदरसे खुलते ही इनमें से ऐसे मदद से भी शामिल है जो बोर्ड लगाकर चल रहे थे यहां पर पढ़ाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा था। गड़बड़ झाला करके ही बच्चों के नाम पर

बीआरसी ने जांच की शुरू

खबर सामने आने के बाद बीआरसी ओमप्रकाश रघुवंशी ने भी मदरसो की जांच प्रारंभ कर दी है एक मदरसे की जांच करने के लिए स्वयं ही पहुंचे साथ शेष की जांच भी इनके द्वारा अलग-अलग टीमों के द्वारा करवाई जा रही है । उन्होंने बताया कि अभी तक हमने शासन के नियम के विपरीत संचालित होने वाले 5 मदरसो को बंद भी कर दिया है। विकासखंड में जितने भी मदरसे संचारित हो रहे हैं उन सब की जांच करके आगे की कार्रवाई की जाएगी शासन के गाइडलाइन हिसाब से संचालित नहीं हो होने वालों पर कार्रवाई भी करेंगे।

मध्यान भोजन की उपस्थिति दर्ज करके गोलमाल करने का काम भी फर्जी रूप से मदरसे संचालित करने वालों के द्वारा लंबे समय से किया जा रहा है। इनमें से कुछ मदरसे संचालक ऐसे भी हैं इनके द्वारा राजनीतिक दवा बनाकर अधिकारियों से इन फर्जी मदरसो के लिए शासन से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ लेने का काम भी किया जा रहा है।

एसडीम हर्षल चौधरी ने खबर संज्ञान में लेते हुए पूरे मामले की जांच करने के लिए बीआरसी को पत्र जारी करते हुए करते हुए निर्देशित किया है विकासखंड में जितने भी मदरसे शासन से अनुदान तथा सुविधा लेकर चल रहे हैं उन सभी की जांच करके रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए जो भी मापदंड शासन के द्वारा मदरसो को संचालित करने के लिए जारी किए गए हैं उनका पालन हो रहा है या नहीं कितनी मदरसे हैं कहां-कहां संचालित हो रहे हैं उनकी जानकारी मांगी है। गड़बड़ी मिलने पर शासन से मिलने वाली सभी सुविधाओं को भी बंद करवाने की बात उनके द्वारा कही गई है।

खबर का असर: शासकीय कन्या हायर सेकेंड्री स्कूल में मनोज शर्मा बने प्रभारी प्राचार्य

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शासकीय कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल में 73 दिनों से प्राचार्य का खाली पद होने के कारण स्कूल की शिक्षण कार्य के अलावा संकुल केन्द्र के अंतर्गत आने वाले स्कूल एंव शिक्षकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस मामले को लेकर खबर प्रकाशित समाचार शासकीय कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल में 73 दिनो से नहीं है कोई प्राचार्य शीर्षक से खबर प्रकाशित किया था। इस विषय को जिला शिक्षा अधिकारी जीपी राठी के संज्ञान में आते ही उन्होने प्रभारी प्राचार्य के रूप में उक्त स्कूल में मनोज शर्मा की नियुक्ति की गई। साथ ही पत्र उल्लेख किया गया कि शासकीय उ.मा वि कन्या सिरोंज संकुल में प्राचार्य का पद रिक्त होने से मनोज कुमार शर्मा उच्च पद प्रभार प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल ईमलानी को अपने कार्य के साथ शासकीय कन्या संकुल सिरोंज का प्राचार्य नियुक्त किया जाता है। उक्त नियुक्ति होने से जहा महिला शिक्षिकाओं ने राहत की सांस ली तो वहीं अन्य शिक्षकों को भी राहत मिली। क्योकि संकुल के अंतर्गत आने वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला था और संकुल के अंतर्गत आने वाले कई शिक्षक भी काफी परेशान थे। वहीं शर्मा की नियुक्ति से सभी शिक्षकों में हर्ष की लहर दौड़ गई।

मेट्रो एंकर | **मुख्य सड़कों पर झाड़ू लगने से दुकानदार हुए परेशान**

नगर को धूल मुक्त करने के लिए नपा ने विशेष सफाई अभियान किया प्रारंभ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शहर को साफ स्वच्छ सुंदर तथा धूल से निजात दिलाने के लिए नगर पालिका परिषद के द्वारा विधायक और एसडीएम के निर्देश पर विशेष स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान की मॉनिटरिंग मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू के द्वारा की जा रही है। विशेष अभियान के तहत मुख्य बाजार से लेकर शहर की सभी सड़क को धूल मुक्त बनाने के लिए सफाई अभियान विशेष रूप से प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत जहां-जहां धूल मिट्टी व कचरा डाला हुआ है उसको निकालने का काम किया जा रहा है। सफाई कर्मी झाड़ू लगाकर कचरे को एकत्रित करते हैं धूल को भी एकत्रित करके उसको कचरा गाड़ी में डालने का काम कर रहे हैं। दोपहर में झाड़ू से व्यापारी परेशान - नगर पालिका परिषद के द्वारा अभियान तो अच्छा प्रारंभ किया गया है पर झाड़ू लगाने का जो समय होना चाहिए उस समय पर ही लगे तो सभी को परेशानी नहीं होगी अभी दोपहर 2 बजे के बाद मंडी बाईपास रोड पर झाड़ू लगाने का काम सफाई कर्मियों के द्वारा किया जा रहा था इसकी वजह से सभी दुकानदारों को धूल से परेशानी हो रही थी साफ सफाई भी अच्छे से नहीं हो पा रही है क्योंकि वाहन भी खड़े रहते हैं यातायात भी चलता है। दोपहर 2 के बाद झाड़ू लगने से दुकानदारों को हों रही परेशानी की जानकारी जैसे ही सीएमओ को दी गई तो उन्होंने तत्काल इसको बंद करवा कर सुबह के समय ही झाड़ू लगवाने की बात कही साथ ही उन्होंने बताया कि विधायक के निर्देश पर नगर को साफ सुंदर व धूल मुक्त बनाने के लिए नगर पालिका ने विशेष अभियान प्रारंभ किया है।

पचमढ़ी में 29 दिसंबर से एक जनवरी तक होंगी अनेक पर्यटन संबंधी गतिविधियां

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में नए वर्ष के आगाज पर पर्यटकों को नया अनुभव और रोमांच देने के लिए 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक विभिन्न पर्यटन संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में पचमढ़ी उत्सव के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने पचमढ़ी उत्सव के तहत आयोजित होने वाली सभी गतिविधियों की सभी सुसंगत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पचमढ़ी महोत्सव कार्यक्रम पचमढ़ी में 29 जनवरी से 1 जनवरी तक मनाया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया है कि 30 दिसम्बर को शाम 6.30 बजे से हाट बाजार पचमढ़ी में कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। शुभारंभ पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति रात्रि 7 बजे से हाट बाजार पचमढ़ी में ही आयोजित किये जायेंगे। 29 से 31 दिसम्बर तक शाम 6.30 बजे से रात्रि 11 बजे तक पारम्परिक एवं आर्गेनिक फूड फेस्टिवल की हाटबाजार पचमढ़ी में ही व्यवस्था रहेगी। इसी अवधि में अर्थात 29 से 31 दिसम्बर तक हाईस्कूल ग्राउंड पचमढ़ी में रात्रि 9 बजे से सुबह 6 बजे तक स्टार गेजिंग, 30 दिसम्बर को प्रातः6 बजे से पचमढ़ी रन का आयोजन हाईस्कूल ग्राउंड से प्रारंभ किया जाएगा। प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक रॉक आर्ट पेंटिग वॉक का, शासकीय पोलो उद्यान पचमढ़ी में प्रातः 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक बर्ड वाचिंग पोलो गार्डन ट्रेल का, 30 दिसम्बर से 1 जनवरी तक प्रातः 7 बजे से प्रातः 10 बजे तक चंपक लेक के पास से फुटहिल रोड तक नेचर वॉक, 1 जनवरी तक प्रातः 10 बजे से गोल्फ ग्राउंड पचमढ़ी में गोल्फ कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू हो सकता है आईपीएल 2024

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन की शुरुआत मार्च के आखिरी सप्ताह में हो सकती है। इसका फाइनल मई अंत में होगा। बीसीसीआई ने इस सीजन के लिए ऑफिशियल विंडो 22 मार्च से मई अंत तक तय की है। हालांकि इस सीजन के आयोजन की फाइनल डेट आम चुनाव के हिसाब से तय होगी। रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के खिलाड़ी पूरे सीजन के लिए मौजूद रहेंगे, जबकि इंग्लैंड, आयरलैंड, श्रीलंका और बांग्लादेश के कुछ खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे।

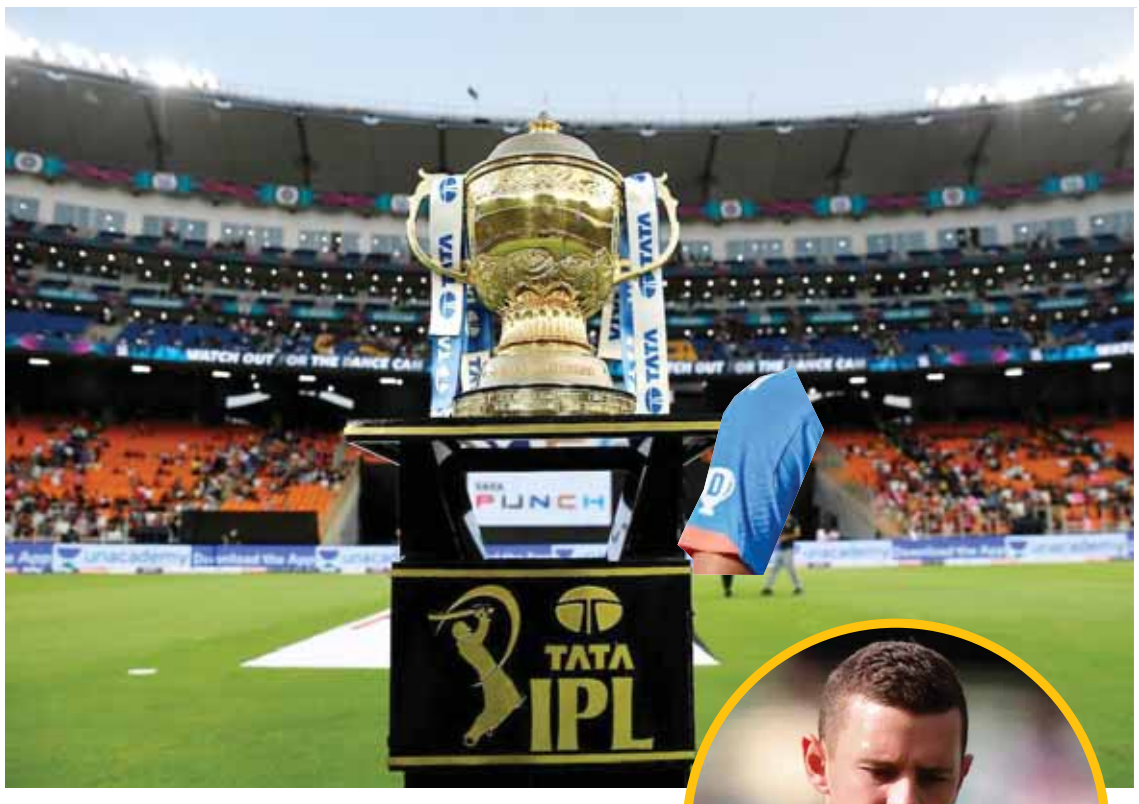

हेजलवुड के अलावा सभी ऑस्ट्रेलियाई सीजन भर खेलेंगे

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड मई के पहले सप्ताह तक आईपीएल का हिस्सा होंगे। शेष ऑस्ट्रेलियन खिलाड़ी सीजन भर भारतीय लीग में खेलेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बीसीसीआई को बताया है कि हेजलवुड और शेफील्ड शील्ड के फाइनल में खेलने वालों को छोड़कर उसके सभी खिलाड़ी पूरी तरह से उपलब्ध रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड ने भारतीय बोर्ड को आश्वासन दिया है कि सभी खिलाड़ी चोटिल होने तक उपलब्ध रहेंगे। खिलाड़ियों के पास घरेलू आयोजन के बजाय आईपीएल चुनने का विकल्प है, जो 21 से 25 मार्च तक होगा।

बीसीसीआई ने इस सीजन के लिए ऑफिशियल विंडो 22 मार्च से मई अंत तक तय की

तस्कीन अहमद और शोरिफुल इस्लाम भी नहीं खेलेंगे

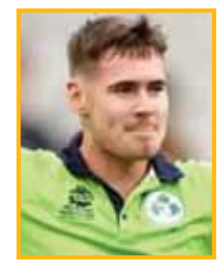

भारतीय लीग में बांग्लादेश और आयरलैंड के कुछ खिलाड़ी ही हिस्सा लेंगे। लीग के लिए मुस्तफिजुर रहमान और जोश लिटिल को स्पेशल अनुमति दी गई है, जबकि आयरलैंड के तेज गेंदबाज को लीग में पूरी तरह से भाग लेने की अनुमति दी गई है, बीसीबी ने कहा है कि रहमान 22 मार्च से 11 मई तक लीग में भाग ले सकते हैं। बीसीबी ने बीसीसीआई को बताया है कि तस्किन अहमद और शोरिफुल इस्लाम के नाम नीलामी में शामिल हैं, लेकिन ये दोनों आईपीएल 2024 के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। बांग्लादेश के केवल 5 खिलाड़ियों (रहमान सहित) को बांग्लादेश से नीलामी रजिस्टर में शामिल किया गया था। बांग्लादेश को 30 मार्च से 3 अप्रैल तक श्रीलंका के खिलाफ दूसरा (आखिरी) टेस्ट खेलना है, जिससे कुछ श्रीलंकाई खिलाड़ियों की उपलब्धता पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि महिश तीक्षणा, वानिंदू हसरंगा, मथीश पथिराना और दुष्मंथा चमीरा उपलब्ध रहेंगे, क्योंकि वे टेस्ट में भाग नहीं लेते हैं।

रेहान नीलामी से हटे, कुछ और खिलाड़ी भी हट सकते हैं

रेहान अहमद नीलामी से हट गए हैं। इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय बोर्ड को सूचना दी है कि उसके खिलाड़ी लीग में तब तक भाग ले सकते हैं, जब तक कि वे अनफिट न हों या उनकी इंटरनेशनल ड्यूटी न हो। इंग्लिश प्लेयर्स की उपलब्धता टी-20 वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड के इंटरनेशनल शेड्यूल पर निर्भर करेगी। टीम को टी-20 वर्ल्ड कप से पहले मई में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलनी है। हालांकि अभी तक इंग्लिश टीम का इंटरनेशनल शेड्यूल फाइनल नहीं हुआ है।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेली जानी है

अफगानिस्तान सीरीज से बाहर हो सकते हैं, चोटिल सूर्या, हार्दिक पर भी संशय

नईदिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान के खिलाफ 11 जनवरी से टी-20 की घरेलू सीरीज शुरू हो रही है। इसमें चोटिल सूर्य कुमार यादव नहीं खेलेंगे। सूर्या कुमार साउथ अफ्रीका दौरे पर टखने में चोट लग गई थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अफगानिस्तान सीरीज में उनके चोट से उबरने भी संभावना कम है। सूर्य कुमार बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में रिहैब कर रहे हैं। वहीं वर्ल्ड कप में चोटिल होकर बाहर हुए हार्दिक के खेलने पर भी संशय है और ईशान किशन सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ भारत को जनवरी में तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला टी- 20 मैच 11 जनवरी को मोहाली में खेला जाना है। दूसरा टी-20 14 जनवरी को इंदौर और तीसरा टी-20 मैच एम चिन्नास्वामी स्टेडियम बेंगलुरु में खेला जाना है।

साउथ अफ्रीका दौरे पर तीसरे टी-20 में हुए थे चोटिल
सूर्या साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 में फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। उनके ग्राउंड से बाहर जाने के बाद उप कप्तान रवींद्र जडेजा ने टीम की कप्तानी संभाली थी। इस मैच में सूर्या ने टी-20 का चौथा शतक जड़ा था, जिसकी बदौलत भारत ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज में बराबरी की थी।

'स्टोक्स-आर्चर के लिए टी20 विश्व कप में जगह रहेगी'

जोफ्रा, एजेंसी

इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कोच मैथ्यू मोट ने कहा कि स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की मैच जिताने की काबिलियत को देखते हुए उनका 2024 टी20 विश्व कप के लिए टीम में होना बेहद जरूरी है। इसलिये चोट से जूझ रहे इन दोनों खिलाड़ियों के लिए टीम में जगह बनी रहेगी। स्टोक्स के घुटने का नवंबर में ऑपरेशन हुआ था और उनके अगले साल जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड की कप्तानी के लिए फिट होने की उम्मीद है। वहीं आर्चर कोहनी की चोट के कारण मार्च से इंग्लैंड के लिए नहीं खेले हैं। इन दोनों के फिटनेस हासिल करने के बाद टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने की उम्मीद है जो जून में शुरू होगा।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 26 दिसंबर से शुरू होगी सीरीज

डीन एल्गर भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से अपने कॅरियर का अंत करेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका के पूर्व टेस्ट कप्तान डीन एल्गर ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा कर दी है। एल्गर भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज खेलकर करियर का अंत करेंगे। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट की सीरीज 26 दिसंबर से शुरू होगी। दूसरा टेस्ट 3 से 7 जनवरी तक केपटाउन में खेला जाएगा, यही एल्गर के करियर का आखिरी इंटरनेशनल मैच रहेगा।

केपटाउन में ही बनाया था पहला रन: 36 साल के एल्गर ने अपना रिटायरमेंट अनाउंस करते हुए कहा, हर अच्छी चीज का अंत होता है और भारत के खिलाफ होम सीरीज मेरी आखिरी सीरीज रहेगी। मैंने क्रिकेट के सुंदर खेल से रिटायर होने का फैसला कर लिया है। केपटाउन टेस्ट मेरे करियर का आखिरी मुकाबला रहेगा। इसी मैदान पर मैंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट रन बनाया उम्मीद है कि यहीं आखिरी रन भी बनाऊंगा। क्रिकेट खेलना हमेशा ही मेरा सपना था लेकिन देश के लिए खेलना मेरे लिए अल्टीमेट गोल की तरह रहा। 12 साल तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के बारे में मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकता था। मैं एल्गर ने 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट से अपने करियर की शुरुआत की। वह मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करने उतरे और दोनों ही पारियों में जीरो पर आउट हो गए।

मेट्रो बाजार

केंद्र ने खाद्य तेलों पर घटी हुई आयात शुल्क व्यवस्था मार्च 24 तक बढ़ाई

मुंबई, एजेंसी

केंद्र सरकार ने खाद्य तेलों- रिफाइंड सोयाबीन तेल और रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर घटी हुई आयात शुल्क व्यवस्था को मार्च 2025 तक बढ़ा दिया है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य खाद्य मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाना है। वित्त मंत्रालय की एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि घटी हुई ड्यूटी मार्च 2024 में समाप्त होने वाली थी, लेकिन अब मार्च 2025 तक जारी रहेगी। रिफाइंड सोयाबीन तेल और रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर मूल आयात शुल्क 17.5 फीसदी से घटाकर 12.5 फीसदी कर दिया गया था। शुल्क में इस कटौती से इन तेलों की देश में आने की लागत कम हो जाएगी, जिससे घरेलू कीमतें कम होंगी और लोगों को राहत मिलेगी। बता दें कि नवंबर में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 8.70 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने 6.61 प्रतिशत थी। कुल उपभोक्ता मूल्य बास्केट में खाद्य मुद्रास्फीति की हिस्सेदारी लगभग आधी है, जो कई परिवारों पर बोझ डाल रही है और 2024 में आम चुनावों को देखते हुए सरकार की चिंता का कारण है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और नंबर एक वनस्पति तेल आयातक है। यह देश आयात के माध्यम से अपनी जरूरतों का 60 फीसदी पूरा करता है। इसका एक बड़ा हिस्सा पाम ऑयल और इससे जुड़े उत्पादों का है, जो इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात किए जाते हैं। भारत में मुख्य रूप से सरसों, पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी से बनी खाद्य तेलों की खपत होती है।

ट्रायम्फ डेटोना 660 भारत में 9 जनवरी को लॉन्च

नईदिल्ली, एजेंसी

ट्रायम्फ मोटरसाइकिल ने डेटोना 660 स्पोर्ट टूरर बाइक का टीजर जारी किया है। कंपनी भारत सहित ग्लोबल मार्केट में इस बाइक को 9 जनवरी को लॉन्च करेगी। ये एक मिडिलवेट स्पोर्टबाइक होगी। प्रीमियम बाइक बनाने वाले ब्रिटिश ब्रांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर अपने ऑफिशियल हैंडल पर इसकी जानकारी शेयर की है। भारतीय समय अनुसार लॉन्चिंग इवेंट शाम 5:30 बजे होगा। बाइक को भारत में करीब 9.50 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है। लॉन्च होने पर डेटोना 660 का मुकाबला यामाहा, कावासाकी निंजा 650 और होंडा सीबीआर 650 जैसी अन्य बाइकों से होगा। हालांकि कंपनी ने बाइक के स्पेसिफिकेशन बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी शेयर नहीं की है, लेकिन कंपनी की वेबसाइट पर 660 मोनीकर दिखाया गया है। इससे हम उम्मीद कर सकते हैं कि ऑल न्यू मॉडल में टाइगर स्पोर्ट 660 और ट्राइडेंट 660 में मिलने वाला इंजन दिया जाएगा। 660 सीसी ट्रायम्फ इंजन की बात करें तो यह 1-3-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड यूनिट है, जो 81 एचपी की पावर और 64 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है।

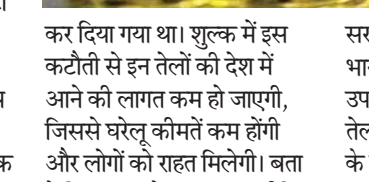

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

शाहरुख, बोले- आनंद पंडित मेरे आध्यात्मिक गुरु

अभिनेता शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म डंकी सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली रही है। वहीं, बीते दिन शाहरुख, निर्माता आनंद पंडित के 60वें जन्मदिन की पार्टी में भी शामिल हुए। निर्माता की पार्टी में शाहरुख ही नहीं इंडस्ट्री के कई दिग्गज कलाकार भी शामिल हुए थे। इस समारोह से अभिनेता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में शाहरुख ने निर्माता को अपना 'आध्यात्मिक गुरु' बताया है। वायरल वीडियो में शाहरुख, आनंद पंडित के सम्मान में भाषण देते हुए कह रहे हैं कि निर्माता उनके आध्यात्मिक गुरु हैं। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं और आनंद रात में उल्लू की तरह उठकर जुहू में ड्राइव करने जाते हैं। यहीं नहीं आनंद के पास इतनी संपत्ति है कि वे आसानी से बता सकते हैं। उस संपत्ति के बारे में भी निर्माता बिना सोचे बता सकते हैं, जो उनके पास नहीं है।

चीजों को बदलने में मदद लेता हूं...

अभिनेता ने आगे कहा कि आनंद निर्माता ही नहीं उनके आध्यात्मिक गुरु भी हैं। शाहरुख ने कहा, वे वास्तु को अच्छी तरह से समझते हैं। जब भी मेरी कोई फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो मैं उनके पास जाता हूं। उन्हें अपने घर पर बुलाकर, चीजों को बदलने में उनकी मदद लेता हूं। मैं आनंद से कहता हूं, सर, मेरी पिछली वाली पिक्चर चली नहीं, कुछ कर दो। आनंद एक शीशे को चारों ओर घुमाने का सुझाव देते हैं, लेकिन सौभाग्य से मेरी फिल्में चल रही हैं। शाहरुख खान की फिल्म की बात करें तो डंकी का निर्देशन राजकुमार हिरानी ने किया है। इस फिल्म के जरिए निर्देशक राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान पहली बार साथ काम कर रहे हैं। डंकी में शाहरुख खान के अलावा तापसी पन्नू, बोमन ईरानी, विक्की कौशल जैसे सितारे भी अहम भूमिका में हैं।

यामी की जिंदगी में एक समय ऐसा भी आया जब वह इंडस्ट्री छोड़ने वाली थी...

आमतौर पर एक्टर की कहानी में यह सुनने को जरूर मिलता है कि उन्होंने पहला ख्वाब ही एक्टर बनने का देखा था, लेकिन यामी गौतम ऐसी एक्ट्रेस हैं जो हीरोइन नहीं बनना चाहती थीं, आईएएस की तैयारी कर रही थीं, मगर फिर एक्टिंग के लिए दिलचस्पी जागी और हिमाचल में पली-बढ़ी लड़की सपनों के शहर मुंबई आ गई। मुंबई में स्ट्रगल किया। टीवी से शुरुआत हुई, एक समय ऐसा भी आया जब इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना लिया था। विक्की डोनर से चोर निकल के भागा तक उनकी एक्टिंग को सभी ने सराहा है। 27 फिल्में कर चुकीं यामी ने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में भी काम किया है। यामी ने बताया मैं पढ़ाई में बहुत अच्छी थी। जहां तक पब्लिक स्पीकिंग और को-करिकुलर एक्टिविटीज की बात है, उनसे कोसों दूर रहती थी। वजह ये थी कि मुझमें आत्मविश्वास की कमी थी। वक्त के साथ मेरा रुझान फिल्मों की तरफ होता गया।

नई सीरीजः इमरान हाशमी बोले, आई एम द बेस्ट

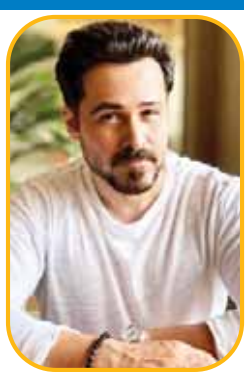

हिंदी फिल्म जगत का काला चिट्ठा खोलने वाली सीरीज 'फेम गेम' के बाद करण जौहर की नई सीरीज 'शो टाइम' भी ऐसा ही कुछ करने जा रही है। इस सीरीज में वंशवाद से लेकर भाई भतीजावाद के चलते निशाने पर रहने वाली हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की कुछ रोचक व दिलचस्प कहानियां दिखाई जाएंगी। वेब सीरीज 'बार्ड ऑफ ब्लड' के बाद अभिनेता इमरान हाशमी का ओटीटी प्लेटफार्म पर यह दूसरा प्रोजेक्ट होगा। इस शो को लेकर इमरान हाशमी काफी उत्साहित हैं। डिज्नी प्लस हॉटस्टार की नई सीरीज 'शो टाइम' में अभिनेता इमरान हाशमी एक प्रभावशाली फिल्म निर्माता की भूमिका निभा रहे हैं। यह एक ऐसा शो है जिसमे बॉलीवुड के मूवर्स और शेकर्स की कहानियों और उनके गेम के टॉप पर बने रहने के उनके स्ट्रगल को दिखाया गया है। इमरान हाशमी नेपोटिज्म पर कटाक्ष करते हुए कहते हैं, 'एवरी आउटसाइडर वॉन्ट्स टू बी एन इनसाइडर।'

मैंने इंडस्ट्री में अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं...

अभिनेता इमरान हाशमी ने इंडस्ट्री में बहुत लंबा वक्त बिताया है। वह कहते हैं, मैंने इंडस्ट्री में अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं, इसलिए जब यह शो मेरे पास आया, तो मैंने इसे स्वीकार कर लिया। इसका हिस्सा बनने का अवसर और विभिन्न स्तरों पर इसके पहलुओं के साथ खुद को जोड़ सकता है, इसलिए शो के लिए हामी भरी। हमने हमेशा दर्शकों को बॉलीवुड के बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है, इसके बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक देखा है। बॉलीवुड के बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है, इसे जानने के लिए सभी लोग उत्सुक रहे हैं। इस शो के माध्यम से बॉलीवुड के पीछे की रंग बिरंगी दुनिया के अलावा बॉलीवुड के पर्दे के पीछे की उन कहानियों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। बॉलीवुड में अक्सर नेपोटिज्म की चर्चा होती रहती हैं, जिसके बारे में आम जनता जानती हैं, लेकिन इसके अलावा बॉलीवुड की रंग बिरंगी दुनिया में और क्या क्या होता हैं, इस सीरीज के माध्यम से दर्शक जान सकेंगे। इस शो का निर्माण करण जौहर ने किया है। मिहिर देसाई और अर्चित कुमार के निर्देशन में बन रही इस सीरीज में इमरान हाशमी के अलावा महिमा मकवाना, मौनी रॉय, नसीरुद्दीन शाह, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन और विजय राज की मुख्य भूमिकाएं हैं।

न्यायालय ने आरोपी पर 25000 रुपए का जुर्माना भी लगाया

बच्ची का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले को आजीवन कारावास

भोपाल, दोपहर मेट्रो

5 साल की बच्ची का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले एक आरोपी न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला 14वे अपर सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायालय पॉक्सो) तृप्ति पाण्डेय की अदालत ने सुनाया है। इसके साथ ही न्यायालय ने आरोपी पर 25000 का जुर्माना भी लगाया है। ड्राइवर अभियोक्त्री की मां एवं बैंक स्टेटमेंट, एवं बैंक अधिकारियों के कथन तथा आरोपी के खाते में अभियोक्त्री की मां द्वारा डाले गये पैसे की जमा तथा निकासी का स्टेटमेंट तथा अन्य साक्ष्य के आधार पर आरोपी राहुल मेहरा को यह सजा सुनाई गई है।

यह है पूरा मामला

घटना 15 नवंबर 2021 की है। पीड़िता की मौसी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी छोटी बहन दीपा की लडकी जिसकी उम्र 5 वर्ष 5 माह की है, दोपहर करीब 4.34 बजे उसे कोई अज्ञात व्यक्ति अपहरण कर ले गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान घर में लगे केमरों की फुटेज देखा तो चार लोग एक पलंग पर बैठे दिखे। जिसमें आरोपी राहुल मेहरा वहां बैठा दिखा। इसके बाद पीड़िता को आरोपी अपने साथ कार में बिठाता हुआ दिखा था।

50 हजार रूपये की फिरोती

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी राहुल मेहरा द्वारा पीड़िता को छोडने के लिए 50 हजार रूपये की फिरोती की मांग की थी तथा उसने एक बैंक खाता का नंबर दिया था, जिसमें उसने पीड़िता के परिजन द्वारा 10000 रुपए डाल दिये थे और शेष पैसो की मांग कर रहे थे। आरोपी द्वारा जिस ट्रैवल की गाडी से पीड़िता को घुमा रहा था, उस ड्राईवर को डीआईजे बंगले के पास एटीएम से 2500 रुपए निकालकर दिये थे। इसके बाद अल्पना टॉकीज तरफ आये तो पुलिस आ गई ।

पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो पता चला कि सिरफिरे से प्रताड़ित है परिवार

डायल 100 पर सिरफिरा बोला युवती कर रही आत्महत्या

- पुलिस को धमकाया कहा दम है तो सीहोर आकर कर लो गिरफ्तार
- कॉल पर भाई को मनचला बताकर लगाए प्रताड़ित करने के आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती का सिरफिरे ने जीना हराम कर दिया। दरअसल, सीहोर में रहने वाला सिरफिरा युवती पर शादी का दबाव बना रहा था। वह उसे और परिवार को नए नए मोबाइल नंबरों से धमकी भी दे रहा था। युवती को परेशान करने आरोपी भोपाल भी पहुंच गया और उसे रोककर छेड़छाड़ कर दी। हद तो उस समय हो गई, जब आरोपी ने डायल 100 पर फेक कॉल कर कहा कि मनचले से परेशान होकर युवती अपने अयोध्या नगर स्थित निवास पर फांसी लगा रही है। जब मौके पर पुलिस पहुंची तो सिरफिरे द्वारा प्रताड़ित परिवार अपना दर्द बताया। एक खास बात और यह भी रही कि सिरफिरे ने जिसे मनचला बताया था कि वह कोई और नहीं बल्कि युवती का भाई निकला।

पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह डायल 100 पर कॉल आया। कॉलर ने बताया कि अयोध्या नगर में एक युवती मनचले से परेशान होकर आत्महत्या कर रही है। कॉलर ने घर का पता भी दिया था। समय न गंवाते हुए डायल 100 बताए हुए पते पर पहुंची तो पता चला कि जिस युवती की आत्महत्या की सूचना मिली है वह घर में आराम कर रही है, जबकि जिस युवक पर मनचले को परेशान करने का कहा था वह युवती का भाई है।

सिरफिरे से प्रताड़ित हो गया था परिवार

अयोध्या नगर में रहने वाले परिजन से पुलिस ने पूछताछ की तो पता उनकी 21 साल की बेटी बीए सेकंड ईयर में पढ़ती है साथ ही प्राइवेट जॉब भी करती है। अगस्त महीने में परिचित के साथ सीहोर जिले के श्यामपुर के एक गांव में रहने वाला अरुण भारती उनके घर शादी की बात करने आया था। अरुण ने परिजन का नंबर और युवती का नंबर ले लिया। अब वह युवती को मोबाइल पर कॉल कर परेशान करने लगा। यह बात युवती ने परिजन को बताई। परिजन ने शादी से इंकार करते हुए अरुण को समझाइश दी, इस पर वह उन्हें ही धमकाने लगा।

सीहोर से भोपाल पहुंच गया सिरफिरा

सिरफिरे को पता चला अब युवती से उसकी शादी नहीं होगी तो वह युवती के पीछे पड़ गया। सिरफिरा भोपाल पहुंचा और दफ्तर से आते समय उसने युवती से छेड़छाड़ कर दी। युवती ने यह बात परिजन को बताई थी। परिजन लोकलज्जा और सिरफिरे से डरकर उसकी शिकायत नहीं कर रहे थे। परिजन का कहना है कि सिरफिरा नए नए नंबर से कॉल कर युवती और परिजन को जान से खत्म करने की धमकी देता था।

पुलिस से भी मोबाइल पर गालीगलौज

पुलिस ने मनचले के द्वारा किए गए नंबर पर कॉल किया तो वह पुलिस को ही धमकाने लगा। वह कहने लगा मेरा नाम अरूण भारती है और दम है तो मुझे सीहोर से आकर गिरफ्तार कर लो। खुली चेतावनी मिलने के बाद पुलिस की एक टीम भेजी गई और आरोपी को सीहोर बस स्टैंड के पास से दबोच लिया गया। आरोपी सीहोर की पनीर फैक्ट्री में काम करता है। आरोपी ने फेक नंबरों से कॉल करता था। डायल 100 को किए गए कॉल में भी उसने अपना नाम गलत बताया था।

भदभदा पुलिस चौकी के पास बीती रात करीब डेढ़ बजे के आसपास हादसा

तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे लगे पत्थर के सांकेतिक बोर्ड में टकराई, एक की मौत, दो गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित भद्भदा चौकी के पास बीती रात करीब डेढ़ बजे तेज रफ्तार बाइक अनयंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पत्थर के सांकेतिक चिन्ह में जा घुसी। हादसे के समय बाइक रफ्तार में थी और बाइक सवार तीनों युवकों को गंभीर चोट आई?थी। तीनों को एंबुलेंस अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद दोनों युवकों को गंभीर चोट आई हैं।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। एएसआई केपी मिश्रा ने बताया कि नवीन पिता लक्ष्मी नारायण (26) बरखेड़ी कला, रातीबड़ में रहता?था और प्राइवेट काम करता था। इसी इलाके में 26 साल का सोनू उर्फ सूर्या रहता है। सोनू बाउंसर का काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि बरखेड़ी निवासी 25 साल के शुभम वर्मा की बाइक से तीनों जवाहर चौक आए थे। जवाहर चौक आने से पूर्व उन्होंने इलाके में पार्टी की थी। पार्टी के बाद रात में बिरयानी खाने का मन किया और तीनों बाइक से बिरयानी खाने जवहार पहुंचे। यहां बिरयानी खाने के बाद प्लाइवुड कंपनी में नौकरी करने वाले शुभम की बाइक सोनू चला रहा?था, जबकि नवीन बीच में बैठा था। इसी प्रकार शुभम आखिरी में बैठा था। तीनों जवाहर चौक से बरखेड़ी लौट रहे थे। इस दौरान पीछे दूसरी बाइक पर उनके अन्य दोस्त?भी थे। भदभदा पुलिस चौकी के पास पहुंचते ही सोनू की बाइक अनियंत्रित होकर नई सड़क से उतरकर पुरानी सड़क की तरफ चली गई। बाइक रफ्तार में होने के कारण सड़क किनारे लगे पत्थर के सांकेतिक चिन्ह से जा टकराई। इस हादसे में तीनों को गंभीर चोट आई थी। पीछे से आ रहे दोस्तों ने उनकी मदद करते हुए उन्हें उठाकर सड़क किनारे किया। इसी बीच हादसे की सूचना मिलने पर पास ही स्थित ज्यूडिशयल अकादमी के गार्ड पहुंच गए। उन्होंने एंबुलेंस की मदद से तीनों को हमीदिया पहुंचाया।

सिर में थी गंभीर चोट

हादसे में बाइक चला रहे सोनू का पैर टूटा है और उसे शरीर में अन्य जगह चोट आई है। इसी प्रकार शुभम को भी माथे पर गहरी चोट है। मृतक नवीन बाइक पर बीच में बैठा?था और उसे सिर समेत शरीर में गंभीर चोट?थी। लिहाजा अस्पताल पहुंचने पर उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की स्पीच एडिट कर वायरल, क्राइम ब्रांच ने दर्ज की एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा का वीडियो स्पीच एडिट कर साइबर क्रिमिनल ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ठग बता दिया। वीडियो में शर्मा द्वारा दी गई वाइस की जगह साइबर क्रिमिनल ने अपनी वाइस सेट की है। सोशल मीडिया पर अपलोड वीडियो से यह साबित करने का प्रयास किया कि पूर्व मुख्यमंत्री को लेकर यह बात विष्णु दत्त शर्मा कह रहे हैं। क्राइम ब्रांच की प्रारंभिक जांच में यह वीडियो फेक निकला। बीजेपी विधि प्रकोष्ठ के सहसंयोजक की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने अज्ञात साइबर क्रिमिनल पर आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार अशोक विश्वकर्मा भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक हैं। उन्होंने क्राइम ब्रांच को शिकायती आवेदन दिया। इसमें उन्होंने बताया कि मैं अपना फेसबुक अकाउंट ओपन कर देख रहा था। इस बीच एक वीडिया पर नजर पड़ी। वीडियो दिख रहा कि शर्मा मीडिया से बात कर रहे हैं। इसी वीडियो को एडिट कर फेसबुक-इंस्टाग्राम यूजर्स एसके कुर्मी की आईडी से अपलोड कर शेयर किया गया।

फेक वीडियो में शर्मा की स्पीच को म्यूट कर साइबर क्रिमिनल ने उनकी की कॉपी कर ली। वीडियो शर्मा का चल रहा है। जबकि आवाज क्रिमिनल की थी। फेक वीडियो में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान को ठग कहा जा रहा है। वीडियो में कहा गया है कि इतने अच्छे होते तो पहले ही कैबिनेट बैठक में लाडली बहनों को तीन हजार रुपए, किसानों को 2700 रुपए प्रति क्विंटल अनाज, 500 रुपए गैस की टंकी दे देते।

तेज रफ्तार कार ने ई स्कूटी और बाइक को मारी टक्कर, बाइक सवार की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बिलखिरिया गांव खदान के पास मुख्य सड़क पर तेज रफ्तार कार ने ई स्कूटर को टक्कर मार दी। ई स्कूटी को टक्कर मारने के बाद कार ने सामने से आ रहे बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक सवार को गंभीर चोट आई थी। उसे एंबुलेंस अस्पताल लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही बाइक सवार को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग?कायम कर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसे के बाद आरोपी कार चालक कार लेकर रायसेन की तरफ भागा है।

पुलिस ने बताया कि संजय शाक्या पिता हरिनारायण शाक्या (23) संस्कार कान्वेन्ट स्कूल के पास, जनता नगर करोंद में रहता है और सुरजीत कंपनी मे मैकेनिक है। कल शुक्रवार को वह सुरजीत कंपनी के शौरूम से कंपनी की इलेक्ट्रिक स्कूटी से कस्टमर 36 साल के पवन सिंह निवासी पुरूषोत्तम नगर सेमरा को स्कूटी की टेस्टड्राइव कराने रायसेन रोड जा रहा था। स्कूटी संजय चला रहा था। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे के आसपास ग्राम बिलखिरिया खदान के पास पहुंचते ही उनके स्कूटी को पीछे से आ रही कार ने साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह स्कूटी समेत बाइक किनारे जा गिरे। उनकी स्कूटी को टक्कर मारने के बाद कार के चालक ने रायसेन की तरफ से आ रही लाल रंग की बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। उक्त बाइक पर हरभजन अहिरवार (50) छावनी पठार था।

मेट्रो एंकर सूखीसेवनिया स्टेशन पर हुआ हादसा, जीआरपी कर रही जांच

मालगाड़ी चैक करते समय राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आए लोको पायलेट की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखीसेवनिया रेलवे स्टेशन शुक्रवार रात स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी चेक करते समय लोको पायलेट लूप लाइन से निकल रही थ्रू राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। राजधानी थ्रू होने के कारण जब तक वह कुछ समझ पाते राजधानी उन्हें चपेट में ले चुकी थी। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जीआरपी ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी जहीर खान ने बताया कि बावड़िया कला शाहपुरा निवासी 46 साल के गणेश गुलबासे भोपाल रेल मंडल में लोको पायलट थे। शुक्रवार तड़के उन्हे मालगाड़ी लेकर

फाइल फोटो

जाना था। करीब ढाई बजे के आसपास वह सूखीसेवनिया रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी चेक कर रहे थे। वह इंजन से उतरकर एक तरफ से गाड़ी चेक कर रहे थे, जबकि दूसरी तरफ गार्ड ब्रेक से उतरकर गाड़ी चेक कर रहे थे। इसी बीच लूप लाइन लाइन क्लीयर हुआ और भोपाल की तरफ से बिलासपुर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस गुजरी।

थ्रू होने के कारण राजधानी करीब 120 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गुजरी थी। गणेश जब तक गाड़ी का हार्न सुनकर संभल पाते राजधानी उन्हें चपेट में लेकर गुजर गई। उन्हें इंजन की टक्कर लगी थी और वह उछलकर दूर गिरे थे। इस हादसे में गंभीर चोट होने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022